संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 19
पृष्ठ 8
रविवार
05 अक्टूबर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- जलकर काला हो गया है चाय का...

विचार- तीर्थराज प्रयाग: इतिहास के आईने में

खेल- अब वनडे की भी कमान संभालेंगे गिल..

टश्वपर्स को सम्मानित कर प्रधानमंत्री बोले, बिहार को यह तोहफा

आज का भारत कौशल को देता है प्राथमिकता आईटीआई

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आईटीआई (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान) के टॉपर्स को सम्मानित किया। पीएम ने कौशल दीक्षांत समारोह 2025 के दौरान 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न युवा–केंद्रित पहलों का भी अनावरण किया। कार्यक्रम के दौरान पटना से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी जुड़े। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री कहा, कुछ वर्ष पहले हमारी सरकार ने आईटीआई छात्रों के लिए व्यापक स्तर पर दीक्षांत समारोह आयोजित करने की नई परंपरा शुरू की थी। आज इसी परंपरा की एक और कड़ी के साक्षी हम सभी बन रहे हैं। मैं भारत के कोने–कोने से हमारे साथ जुड़ने वाले सभी

युवा आईटीआई छात्रों को अपनी शुभकामनाएं देता हूं। यह समारोह इस बात का प्रतीक है कि आज का भारत कौशल को कितनी प्राथमिकता देता है...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, इस कार्यक्रम के माध्यम से बिहार के हजारों युवा हमसे जुड़े हैं। इस पीढ़ी को शायद अंदाजा नहीं होगा कि ढाई दशक पहले बिहार की शिक्षा व्यवस्था कितनी जर्जर थी। न ईमानदारी से स्कूल खुलते थे, न ही भर्तियां होती थीं। कौन सा माता–पिता नहीं चाहेगा कि उसका बच्चा यहां पढ़े और आगे बढ़े? लेकिन मजबूरी में लाखों बच्चे बिहार छोड़कर वाराणसी, दिल्ली और मुंबई जाने को मजबूर हुए। यहीं से पलायन की असली शुरुआत हुई... सौभाग्य से बिहार की जनता ने नीतीश कुमार को सरकार की जिम्मेदारी सौंपी, और हम सब गवाह हैं कि कैसे पूरी छवि। टीम ने मिलकर बिगड़ी हुई व्यवस्था को पटरी पर लाया... मुझे खुशी है कि आज के कौशल दीक्षांत समारोह में बिहार को एक नया कौशल विश्वविद्यालय मिला है। नीतीश कुमार की सरकार ने इस विश्वविद्यालय का नाम भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के नाम पर रखा है...

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कहा, बहुत खुशी की बात है कि आज देशभर के आईटीआई टॉपर्स के लिए कौशल दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने इन संस्थानों के छात्र और छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए... बिहार में युवा आयोग और जननायक कर्पूरी ठाकुर कौशल विश्वास की स्थापना की गई है... इसमें बिहार के युवाओं को नौकरी के नियुक्ति पत्र और 25 लाख छात्र–छात्राओं को छात्रवृति वितरण किया जा रहा है इससे बिहार के लोगों को बहुत फायदा होगा केन्द्रीय कौशल विकास व उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा, आज एक ऐतिहासिक पल है। 11 साल पहले प्रधानमंत्री मोदी ने एक पहल की थी। कौशल विकास और उद्यमिता क्षेत्र के महत्व को समझते हुए एक नए विभाग का गठन किया था। उस काम के पीछे जो उनकी सोच और प्रयास था, आज उसी विकास यात्रा में हम सभी साथ मिलकर एक मील का पत्थर मनाने वाले हैं... प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि हमें हमारे आईटीआई में पढ़ने वाले बच्चों के सम्मान के लिए पहल करनी है। आज हम यहां कुछ चुनिंदा बच्चों को मंच पर बुलाकर प्रधानमंत्री मोदी द्वारा सम्मानित करने का काम करेंगे... प्रधानमंत्री मोदी ने विजन दिया कि 2047 तक देश को विकसित होना है।

राजनीतिक दलों ने छठ पर्व के बाद मतदान की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में, बिहार के सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों, चुनाव आयुक्तों डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी, बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी विनोद सिंह गुंज्याल और आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सफलतापूर्वक चर्चा हुई। इस बातचीत के दौरान, चुनाव आयोग ने कहा कि राजनीतिक दल लोकतंत्र की आधारशिला हैं और सभी दलों को पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया के प्रत्येक चरण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए।

चुनाव आयोग ने मतदाताओं से चुनाव के उत्सव को सद्भाव और सम्मान के साथ मनाने और चुनावों की पारदर्शिता का अनुभव करने का आग्रह किया। इसने राजनीतिक दलों से यह सुनिश्चित करने का भी आग्रह

किया कि वे प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदान अभिकर्ता नियुक्त करें। राजनीतिक दलों ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए ऐतिहासिक, पारदर्शी और दृढ़ कदम उठाने के लिए चुनाव आयोग को धन्यवाद दिया और चुनावी प्रक्रिया में अपनी पूर्ण प्रतिबद्धता और विश्वास दोहराया। उन्होंने प्रति मतदान केंद्र मतदाताओं की अधिकतम संख्या 1,200 निर्धारित करने के लिए भी चुनाव आयोग को धन्यवाद दिया।

इसके अलावा, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने अधिकतम मतदाता भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए छठ पर्व के तुरंत बाद चुनाव कराने की माँग की और चुनाव को यथासंभव न्यूनतम चरणों में कराने का सुझाव दिया। दलों ने चुनाव आयोग द्वारा हाल ही में की गई कई पहलों की भी सराहना की, जिनमें डाक मतपत्रों की गिनती और फॉर्म 17सी के उपयोग से संबंधित सुधार शामिल हैं।

भाजपा–जेडीयू ने दी पाकिस्तान को सख्त नसीहत

सेना प्रमुख की चेतावनी पर सियासी घमासान शुरू कांग्रेस ने पूछे सवाल

नई दिल्ली,एजेंसी। कांग्रेस नेता उदित राज ने सेना की बहादुरी को सलाम करते हुए सरकार से तीखे सवाल किए। उन्होंने कहा कि सेना को सलाम। हमारी सेना ने बहादुरी दिखाई, लेकिन बताइए कि भटिंडा में जो मलबा पड़ा था वह किसका था? वह एक लापता विमान का मलबा था। फिर सीडीएस चौहान ने सिंगापुर में कहा कि हमारे विमान गिराए गए। एक वायुसेना अधिकारी ने भी इसकी पुष्टि की थी। तो क्या पहले के बयान गलत थे? ये अच्छी बात है कि पाकिस्तानी लड़ाकू विमान मार गिराए गए। मैं इसके लिए सेना को सलाम करता हूं। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी के बयान पर कांग्रेस नेता कहते हैं कि आतंकवाद कहां रुका है? ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी तो आतंकी घटनाएं हुईं। और अगर

पाकिस्तान को नक्शे से मिटाने की बात हो रही है, तो पहले पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) को वापस लीजिए। जब इतना बड़ा काम किया जा सकता है, तो यह छोटा काम क्यों नहीं किया जा सकता? वहीं भाजपा सांसद नरेश बंसल ने कहा कि मोदी सरकार के आने के बाद सेना का मनोबल बढ़ा है। सेना को खुली छूट मिली है, और आतंकवाद का जवाब देने का तरीका, समय और तरीका सेना खुद तय करती है। जेडीयू नेता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा कि निस्संदेह, भारत ने पाकिस्तान को विश्व मानचित्र पर दो टुकड़ों में बांटा था। अब पाकिस्तान मिटेगा। अब पाकिस्तान का सफाया हो जाएगा। यह बयान अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसे गंभीरता से लिया जाना चाहिए। भाजपा नेता प्रकाश रेड्डी ने पाकिस्तान को स्पष्ट चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना प्रमुख ने साफ कहा है कि अगर पाकिस्तान को अपनी भौगोलिक स्थिति वैश्विक मानचित्र पर बनाए रखनी है, तो उसे आतंकवाद रोकना होगा। पाकिस्तान को संयम बरतना होगा। और उन्हें पाकिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों, आतंकवादियों को वित्त पोषण और समर्थन भी बंद करना होगा। अगर पाकिस्तान अपनी नीतियां नहीं बदलता, तो सेना प्रमुख की यह चेतावनी भविष्य में हकीकत बन सकती है। दरअसल, आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी आतंकवाद को पालने–पोसने वाले पाकिस्तान को चेताया है कि अगर वो अपनी हरकतों से बाज नहीं आया तो दुनिया के नक्शे से उसका नामो–निशान मिटा दिया जाएगा। शुक्रवार को राजस्थान के अनूपगढ़ में आर्मी पोस्ट पर जनरल द्विवेदी ने कहा कि इस बार भारतीय सेना कोई संयम नहीं बरतने वाली है।

100 वर्ग मीटर से बड़े सभी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग अनिवार्य हो- सीएम योगी

लखनऊ,संवाददाता। भूजल के स्तर को बनाये रखने के लिये वर्षा जल का संचयन की आवश्यकता जताते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि सौ वर्ग मीटर क्षेत्रफल से बड़े सभी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवाये किया जाना चाहिये। नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग (लघु सिंचाई) की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में योगी ने कहा जल संकट आज हमारी सामूहिक चिंता का विषय बन चुका है। चेक डैम, तालाब और ब्लास्टकूप वर्षा जल को रोककर धीरे–धीरे उसे भूमि में समाहित होने देते हैं। यह केवल स्थानीय प्राथमिकता नहीं है बल्कि राष्ट्रीय आवश्यकता है। सीएम योगी ने कहा, चेक डैम, तालाब और ब्लास्टकूप केवल पानी रोकने की व्यवस्था नहीं बल्कि समेकित जल प्रबन्धन है, जो बड़े बांधों की तुलना में यह काफी किफायती है। उन्होंने निर्देशित किया कि 'एक पेड़ मां के नामश की तर्ज पर जनांदोलन बनाते हुए चेक डैम, तालाब और ब्लास्टकूप का निर्माण एवं जीर्णोद्धार कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश विभिन्न भागों स्थानीयध्बरसाती नदीध नालों में विभाग द्वारा अद्यतन 6,448 चेक डैमों का निर्माण किया जा चुका है। प्रत्येक चेकडैम से औसतन 20 हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता विकसित होती है। इस प्रकार निर्मित चेकडैमों से कुल 1,28,960 हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचन क्षमता सृजित हुई है और हर साल 10 हजार हेक्टेयर मीटर से अधिक भूजल रिचार्ज हो रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि इन प्रयासों से अन्नदाता किसान वर्ष में दो से तीन फसल लेने में सक्षम हुए हैं। उन्होंने कहा कि वर्षा जल संचयन और ग्राउंड वाटर रिचार्जिंग की दिशा में प्रदेश सरकार लगातार कदम उठा रही है। वित्तीय वर्ष 2022–23 से अब तक 1,002 चेकडैमों की डी–सिल्टिंग और मरम्मत कर उनकी क्षमता में वृद्धि की गई है। इसी तरह प्रदेश के 1 से 5 हेक्टेयर के 16,610 तालाबों में से 1,343 का पुनर्विकास और जीर्णोद्धार किया गया है, वहीं वर्ष 2017–2025 तक 6192 ब्लास्टकूप के माध्यम से 18576 हेक्टेयर सिंचन क्षमता सृजित हुई है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि बरसात से पहले यानी 1 अप्रैल से 15 जून तक कुम्हारों को तालाब से मुफ्त मिट्टी निकालने की छूट दी जाए, ताकि तालाब रिचार्ज के लिए तैयार हो सकें। बरसात के बाद इन्हें मत्स्य पालन और सिंघाड़ा उत्पादन के लिए उपयोग में लाकर बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर सृजित किए जाएं। रेन वाटर हार्वेस्टिंग पर विशेष बल देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 100 वर्ग मीटर से बड़े सभी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग की सुविधा अनिवार्य रूप से होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में जल संरक्षण के लिए यह कदम निर्णायक साबित होगा।

उव ठाकरे बोले-

भाजपा सरकार भ्रष्टाचार रोकने में रही नाकाम

मुंबई,एजेंसी। महाराष्ट्र की राजनीति में जारी गर्माहट के बीच शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र और केंद्र में भाजपा की सरकार को असफल बताया। साथ ही महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को बढ़ते भ्रष्टाचार पर अंकुश में लगाने में असफल बताते हुए कमजोर नेता बताया। पुणे में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ठाकरे ने कहा कि उनकी पार्टी को भाजपा से हिंदुत्व की कोई प्रमाण–पत्र लेने की जरूरत नहीं है, क्योंकि भाजपा देश में दीवारें खड़ी कर रही है। ठाकरे ने कहा कि भारत एक सुंदर देश है, इसकी संस्कृति महान है। लेकिन भाजपा ने माहौल को खराब कर दिया है और देश में फूट डाली है। मैं इस खराब हालत को रोकने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा हूं। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी सरकार कश्मीर और मणिपुर के मुद्दों को सही से नहीं संभाल पाई है। उद्धव ठाकरे ने फडणवीस सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि भारी बहुमत होने के बावजूद मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई में कमजोर दिख रहे हैं। उन्होंने किसानों की मदद में सरकार की नाकामी पर भी सवाल उठाए और कहा कि अभी तक किसान कर्ज माफी की घोषणा नहीं की गई है, जबकि जब वे मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने यह कदम उठाया था। साथ ही हिंदुत्व के सवाल पर ठाकरे ने कहा कि भाजपा ने मुसलमानों को खुश करने के लिए 'सौगात–ए मोदी' अभियान शुरू किया है।

कांग्रेस पर भड़के सांसद संबित पात्रा

विदेशी दबाव में पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई नहीं की

भुवनेश्वर,एजेंसी। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने शनिवार को दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने साल 2008 के मुंबई हमले के बाद विदेशी दबाव में पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई नहीं की थी। भुवनेश्वर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि 2014 से पहले भी भारतीय सशस्त्र बल पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करने में पूरी तरह से सक्षम थे, लेकिन देश के नेतृत्व में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी थी।

संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि तत्कालीन यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अमेरिकी विदेश मंत्री कोंडोलीजा राइस के दबाव में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह से पाकिस्तान के खिलाफ तुरंत कार्रवाई न करने के लिए कहा होगा, जबकि मुंबई हमले में लगभग 160 लोग मारे गए थे। अपने दावे के समर्थन में, संबित पात्रा ने वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम के एक हालिया इंटरव्यू का हवाला दिया। उन्होंने इंटरव्यू में चिदंबरम के उस कथन का हवाला दिया, जिसमें चिदंबरम ने कहा कि शुरी दुनिया पाकिस्तान के खिलाफ बदले की कार्रवाई को रोकने के लिए नई दिल्ली आई थी।

संबित पात्रा ने कहा कि चिदंबरम के बयान को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता क्योंकि वे उस समय देश के गृह मंत्री थे। पात्रा ने कहा कि, 2014 से पहले भी भारतीय सशस्त्र बलों में वीरता थी और वे सक्षम थे, लेकिन देश के नेतृत्व में राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव था। 2014 के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हालात बदले क्योंकि देश को एक मजबूत सशस्त्र बल और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति मिली। पात्रा ने यह भी दावा किया कि पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह ने अपनी आत्मकथा में लिखा है कि यूपीए सरकार अमेरिका से सलाह– मशविरा करने के बाद ही कैबिनेट मंत्रियों का चयन करती थी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने भी एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि, शम सभी जानते हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत कैसे मजबूत हुआ है। भारतीय सशस्त्र बलों को पूरी आजादी दी गई और ऑपरेशन सिंदूर में, हमने देखा कि कैसे एक मजबूत संदेश दिया गया। भारत के विपक्ष के नेता चार दिनों से विदेशी दौरे पर हैं और उनका एकमात्र काम भारत को बदनाम करना है।

गिरफ्तार व्यक्तियों का उपचार और पुनर्वास जरूरी, कोर्ट ने नशे की लत को बताया मानसिक बीमारी

मुंबई,एजेंसी। हाईकोर्ट ने यह आदेश पिछले हफ्ते सुनवाई के दौरान दिया, जब एक व्यक्ति की जमानत याचिका पर विचार किया जा रहा था। व्यक्ति को अपनी पत्नी के कथित उत्पीड़न और हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। जस्टिस संजय देशमुख की बेंच ने निषेध के बावजूद अवैध शराब और नशील दवाओं की आसानी से उपलब्धता पर चिंता जताई। बेंच ने कहा कि देश की नई युवा पीढ़ी को पड़ोसी देश की ओर से प्रतिबंधित नशीली दवाएं प्रदान की जा रही हैं। यह हमारे देश के खिलाफ युद्ध का एक हिस्सा है।

बेंच ने निर्देश दिया कि संबंधित अधिकारी और जिला अदालतें मानसिक रूप से बीमार आरोपियों के उपचार मानसिक स्वास्थ्य कानून, 2017 के प्रावधानों का कड़ाई से पालन करें, जब तक वे पूरी तरह ठीक न हो जाएं। कोर्ट ने कहा, अगर जेल पुलिस, जेल अधिकारी और अदालतें इस प्रक्रिया का पालन करेंगी, तो

अपराध कम होंगे और समाज को ऐसे लोगों की कानूनी समस्याओं से राहत मिलेगी। इससे सजा के सुधारात्मक सिद्धांत को भी पूरा किया जा सकेगा, जैसे कि अपराध शास्त्र और दंड शास्त्र में बताया गया है।

कोर्ट ने आरोपी प्रमोद धुले की जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद यह फैसला दिया। धुले को शराब की लत के कारण सीआरपीएफ से निकाला गया था। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मानसिक रूप से बीमार लोगों को बिना उपचार के जमानत देना सही नहीं होगा, क्योंकि वह फिर से गैरकानूनी काम कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि ऐसे लोगों का इलाज और पुनर्वास करना समाज की सुरक्षा के लिए जरूरी है।

सरायममरेज में प्रेमी-प्रेमिका ने खाया जहर, प्रेमी की मौत

प्रयागराज। सरायममरेज थाना क्षेत्र के हरीपुर मर्रौ पेट्रोल पंप के पास शुक्रवार शाम प्रेमी–प्रेमिका ने जहर खा लिया। घटना में प्रेमी शिवम मौर्या की मौत हो गई जबकि किशोरी की हालत नाजुक बनी हुई है। सरायममरेज थाना क्षेत्र के हरीपुर मर्रौ पेट्रोल पंप के पास शुक्रवार शाम प्रेमी–प्रेमिका ने जहर खा लिया। घटना

में प्रेमी शिवम मौर्या की मौत हो गई जबकि किशोरी की हालत नाजुक बनी हुई है। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने शिवम पर किशोरी को भगा ले जाने का मुकदमा दर्ज किया था। घटना के बाद मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। शुक्रवार दोपहर करीब 3रू30 बजे दोनों हरीपुर मर्रौ के पास बेहोशी की हालत में मिले। ग्रामीणों की मदद से उन्हें सीएचसी ले जाया गया जहां गंभीर हालत देख डॉक्टरों ने दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इलाज के दौरान शिवम ने दम तोड़ दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि सरायममरेज क्षेत्र के एक गांव से तीन दिन पहले प्रेमी युगल घर से फरार हो गए थे। युवती के परिजनों ने मामले में सरायममरेज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि दोनों एक दूसरे से शादी करना चाहते थे लेकिन घरवालों को यह बात मंजूर नहीं थी, इसलिए दोनों ने जहर खा लिया। शिवम की इलाज के दौरान मौत हो गई है। मामले की जांच की जा रही है।

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा निरस्त कर दोबारा कराने की मांग, अभ्यर्थियों ने लगाए कई आरोप

प्रयागराज। प्रतियोगी छात्रों ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा निरस्त कर दोबारा कराने की मांग की है। उन्होंने शुक्रवार को यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग में ज्ञापन सौंपकर परीक्षा नियंत्रक को भी हटाए जाने की मांग की। इस दौरान उन्होंने कई गंभीर आरोप लगाए। प्रतियोगी छात्रों ने असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा निरस्त कर दोबारा कराने की मांग की है। उन्होंने शुक्रवार को यूपी शिक्षा सेवा चयन आयोग में ज्ञापन सौंपकर परीक्षा नियंत्रक को भी हटाए जाने की मांग की। इस दौरान उन्होंने कई गंभीर आरोप लगाए। आयोग की ओर से असिस्टेंट भर्ती परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है लेकिन अब दोबारा परीक्षा कराने की मांग उठने लगी है। आयोग पर एकत्रित प्रतियोगियों का कहना था कि यह परीक्षा शुरू से ही विवादों में रही है। एक अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा गया था। साथ ही एसटीएफ ने कई

अन्य लोगों को भी पकड़ा है जो पेपर लीक कराने की कोशिश में लिप्त थे। उनका कहना था कि विवादों के बीच अध्यक्ष का इस्तीफा भी कई सवाल खड़े करता है। छात्रों ने कहा कि मांग नहीं पूरी हुई तो बड़ा आंदोलन होगा। ज्ञापन देने वालों में लालता प्रसाद, शशिभूषण, शशिकांत, सुखदेव, नंदकिशोर प्रजापति, नरेंद्र शर्मा, सौरभ, अभय, सुनील मौर्या, मनीष सिंह आदि शामिल रहे।

विरोध के मुख्य बिंदु

आवेदन के क्रम में ही रोल नंबर का आवंटन

हिंदी के पेपर में एक ही यूनिट से अधिक सवाल

20 से अधिक प्रश्न एवं उनके जवाब में त्रुटि

आपत्तियों के निस्तारण के बगैर ही परिणाम घोषित किया गया

ओएमआर शीट में सीरीज का उल्लेख नहीं होना

पीसीएस के कई आवेदकों का जारी नहीं हुआ प्रवेश पत्र

पीसीएस–2025 प्रारंभिक परीक्षा के कई अभ्यर्थियों का प्रवेश पत्र ही जारी नहीं हुआ है। इसे लेकर अभ्यर्थियों ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में ज्ञापन सौंपा है। प्रतियोगियों का कहना था कि उन्होंने ऑनलाइन फीस जमा की है इसके बाद भी प्रवेश पत्र जारी नहीं हुआ।

उन्होंने प्रवेश पत्र जारी करने और परीक्षा में शामिल कराने की मांग की। ज्ञापन उपसचिव गौरव रंजन श्रीवास्तव ने लिया। वहीं, आयोग के अफसरों का कहना है कि प्रतियोगियों के प्रत्यावेदन मिले हैं। जांच कराई जा रही है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। ज्ञापन देने वालों में आशुतोष पांडेय, सक्षम, रोली यादव, कर्नल मिश्र, शुभम सिंह रहे।

लाइसेंसी बंदूक से संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से युवक की मौत, मामले की छानबीन में जुटी पुलिस

प्रयागराज। प्रतापगढ़ के लालगंज थाना क्षेत्र के गांव नोती में 22 वर्षीय शौर्य पांडे को संदिग्ध परिस्थितियों में पेट में गोली लग गई। जिससे वह लहूलुहान हालत में गिरकर बेसुध हो गया। परिजनों ने उसे सिविल लाइंस एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। प्रतापगढ़ के लालगंज थाना क्षेत्र के गांव नोती में 22 वर्षीय शौर्य पांडे को संदिग्ध परिस्थितियों में पेट में गोली लग गई। जिससे वह लहूलुहान हालत में गिरकर बेसुध हो गया। परिजनों ने उसे सिविल लाइंस एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे शौर्य को मृत घोषित कर दिया है। पुलिस को आशंका है कि किसी की गोली चलाने पर हादसा हुआ है। शुक्रवार देर रात डॉक्टरों के पैनल ने मोर्चरी में उसका पोस्टमार्टम करवाया, जहां रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों की पुष्टि होगी। मूलरूप से कौशाम्बी के मंझनपुर गांव बभन पूरा मजरा अनो निवासी शौर्य पांडे शुक्रवार को प्रतापगढ़ लालगंज थाना क्षेत्र गांव नोती में रहने वाले अपने रिश्तेदार के घर गया था। करीब आठ बजे खूंटी पर टंगी बंदूक को उतरते वक्त गिर जाने की वजह से गोली चल गई। इसी दौरान शौर्य के पेट में एक गोली लग गई।

बदहाल सड़क, गलियों में सीवर का पानी, निकलना भी मुश्किल

प्रयागराज। पुराना बैरहना शहर की पुरानी बस्तियों में से है। पिछले कुछ दशकों में शहर का भरपूर विकास हुआ लेकिन यह इलाका विकास की दौड़ में काफी पीछे छूट गया। बैरहना की मुख्य सड़क अरसे से क्षतिग्रस्त है, सीवर लाइनें चोक होने से गंदा पानी गलियों में जमा है, इंटरलाकिंग न होने से गलियां चलने लायक नहीं रह गई हैं, सार्वजनिक प्रसाधन भी आधा अधूरा बना कर छोड़ दिया गया है, सफाई व्यवस्था का कहीं अता पता नहीं है, नालियां गंदगी व कीचड़ से बजबजा रही हैं। लोग पत्थर की पटिया डाल कर उसके सहारे आ जा रहे हैं।

यहां के लोगों से बात की तो वे नगर निगम की उपेक्षा से काफी नाराज दिखे। कहा, निगम हमसे हर प्रकार के टैक्स तो वसूल रहा है लेकिन जरूरी सुविधाएं भी मुहैया नहीं करा पा रहा है। हम लोग कई माह से चोक सीवर लाइन और जलभराव से परेशान हैं, लगातार शिकायत कर रहे हैं लेकिन अधिकारी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, समस्याओं के निस्तारण की बजाय हमें हमारे हाल पर छोड़ दिया गया है। नगर निगम पूरे शहर में विकास कार्य करा रहा है लेकिन पुराना बैहराना की पूरी तरह से अनदेखी कर दी गई है। महाकुम्भ के पहले से शुरू हुई सीवर की समस्या छह माह में भी दूर नहीं हो पाई है। इलाके की सीवर लाइनें जाम पड़ी हैं, चौम्बर चोक पड़े हैं, सीवर का गंदा पानी गलियों में फैल रहा है। नवीन महिला सेवा सदन कॉलेज के पीछे गली में तो हालत ऐसी हो गई है कि लोग घर से नहीं निकल पा रहे हैं। सीवर का गंदा पानी गली में जमा होने से आवागमन में लोगों को काफी परेशानी हो रही है। गली में पत्थर की पटिया डाल कर लोग उसके सहारे किसी तरह आ जा रहे हैं। गली में पानी ज्यादा भर जाता है तो लोग घर से नहीं निकल पाते। कई माह से इस समस्या से परेशान लोग लगातार शिकायत कर रहे हैं लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा जिससे समस्या दिनोंदिन जटिल होती जा रही है। कुछ दिन पहले हालत ऐसी हो गई थी कि कई दिन तक गलियों में सीवर का पानी भरा रहा और लोग घर से नहीं निकल पा रहे थे। शिकायत पर पहुंचे निगमकर्मी बांस की फट्टी से सीवर लाइन का चौम्बर खोद कर चले गए लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो सका। इस समय भी गलियों में गंदा पानी जमा है और लोग उसी से होकर आ जा रहे हैं। कई माह से इस समस्या से परेशान लोग समस्या का स्थाई समाधान चाह रहे हैं जो हो नहीं पा रहा है। इससे लोगों की नाराजगी बढ़ती जा रही है। मुख्य मार्ग पर दिखते हैं गड्ढे ही गड्ढे बैरहना चौराहे से ग्रीन स्वीट होकर जाने वाले मुख्य मार्ग की हालत बेहद खराब है।

इस सड़क पर इतने गड्ढे हैं कि गिने नहीं जा सकते। सड़क पर गाड़ियां हिचकोले खाकर निकलती हैं। स्कूटी व बाइक सवारों के गिरकर चोटिल होने का खतरा बना रहता है। बड़े–बड़े गड्ढों के कारण वाहनों को बचाकर निकालना पड़ रहा है। जिससे हमेशा यहां जाम की स्थिति बनी रहती है। कई बार रिक्शे इन गड्ढों में फंसकर पलट चुके हैं। लम्बे समय से क्षतिग्रस्त इस सड़क की मरम्मत महाकुम्भ के दौरान भी नहीं हो सकी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह बैरहना का मुख्य मार्ग है जहां से प्रतिदिन हजारों की संख्या में लोगों का आवागमन होता है , यह सड़क बन जाए तो लोगों को काफी राहत मिल जाएगी। चोक नाला–नाली बढ़ा रहे परेशानी इलाके के नाला–नालियां काफी अरसे से चोक हैं जिन्हें साफ नहीं किया

जा सका है। इसके कारण जल निकासी की समस्या पैदा हो गई है। जरा सी बारिश में सड़क और गलियों में पानी भर जाता है जो कई दिनों तक नहीं निकल पाता। पानी का बहाव रुक जाने के कारण लोगों के घरों का गंदा पानी सड़क और गलियों में आ जा रहा है। गंदगी और बदबू के कारण लोगों का जीना मुहाल हो गया है। लोग अपने घरों में भी सकून से नहीं रह पा रहे हैं। गलियों की इंटरलाकिंग भी जगह जगह से उखड़ गई है जिसमें गंदा पानी भर जाता है जिससे लोगों को आने जाने में काफी दिक्कत हो रही है। दूषित जलापूर्ति से फैल सकती है बीमारी लोगों के घरों के नलों में आए दिन गंदा व बदबूदार पानी नलों में आने की समस्या बनी हुई है। ग्रीन स्वीट के सामने गली में लोग काफी दिनों से इस समस्या को लेकर परेशान हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह समस्या हर तीसरे–चौथे दिन पैदा हो जाती है। नल से इतना मटमैला और दुर्गंधयुक्त पानी आता है लोग उसका इस्तेमाल करने से डरते हैं। करीब दो माह पूर्व कई लोग दूषित पानी के सेवन के कारण पेट दर्द और उल्टी–दस्त की चपेट में आ गए थे। वर्तमान में भी हालत कुछ ऐसी ही बनी हुई है। लोगों का कहना है कि पेयजल के लिए बिछाई गई पाइप लाइने जगह जगह से क्षतिग्रस्त हैं जिससे जरिए सीवर का पानी लोगों के घरों में पहुंच रहा है। समय रहते कार्रवाई न हुई तो तमाम लोग जल जनित बीमारियों की चपेट में आ सकते हैं। गंदगी से होकर पहुंच रहे मंदिर नवरात्र लगने के साथ ही बड़ी तादाद में लोग सुबह–शाम देवी मंदिरों में पूजा–अर्चना के लिए निकल रहे हैं। मंदिर जाने के लिए निकले श्रद्धालुओं को गलियों में जमा सीवर के गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है जिससे उन्हें काफी परेशानी हो रही है। स्कूटी–बाइक आदि से निकलने पर भी गंदे पानी के छींटे पड़ जाने के कारण श्रद्धालु परेशान रहते हैं। लोगों का कहना है कि निगम के जिम्मेदारों को नवरात्र से पूर्व सफाई व्यवस्था दुरुस्त कर यह समस्या दूर कर देनी चाहिए थी लेकिन निगम इसे समस्या मानता ही नहीं तो दूर कैसे होगी। आधा–अधूरा बना कर छोड़ दिया प्रसाधन नवीन महिला सेवा सदन कॉलेज के पास नगर निगम की ओर से प्रसाधन बनाया जा रहा था जो अधूरा छोड़ दिया गया है। इससे करदाताओं की भारी धनराशि खर्च होने के बाद उन्हें इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। प्रसाधन का कक्ष, फर्श आदि बनकर तैयार है, छत पर पानी की टंकी भी लग गई है लेकिन प्रसाधन में निगम का कबाड़ रखा जा रहा है। शिकायतें – 1. सीवर लाइन चोक पड़ी है, गलियों में सीवर का पानी भर रहा है। 2. मुख्य मार्ग पर बड़े –बड़े गड्ढे हो गए हैं, आवागमन में काफी परेशानी है। 3. नाले–नालियां चोक हैं जिससे जलभराव की समस्या बनी रहती है। 4. नलों से गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है जिससे बीमारी फैल सकती है। सुझाव 1. चोक सीवर लाइन की सफाई कराई जाए, चौम्बरों की भी सफाई हो। 2. मुख्य मार्ग के गड्ढों को पाट कर इसका फिर से डामरीकरण हो। 3. जल निकासी के लिए नाले–नालियों की नियमित सफाई कराई जाए। 4. क्षतिग्रस्त पाइप लाइनों को दुरुस्त करा कर साफ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

सीवर लाइन कई माह से चोक है जिसकी हम लोग लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन समस्या सुनी नहीं जा रही है। सीवर की समस्या का समाधान जरूरी है।–चंदा देवी

आए दिन सीवर चौम्बर ओवरफ्लो कर जाते हैं और गली में गंदा पानी भर जाता है जिससे निकलने में काफी दिक्कत होती है। इस समस्या का समाधान हो जाए तो राहत मिले।–पूनम शर्मा

सीवर लाइन काफी दिनों से चोक है जिसके कारण हम लोग काफी परेशान हैं। गंदा पानी गलियों में भर जा रहा है। गंदगी और बदबू के कारण निकला और रहना मुहाल हो चला है।–जय प्रकाश शर्मा

चौम्बर ओवर फ्लो होने के कारण गंदा पानी गलियों में भर जाता है, इससे हमें आने जाने में काफी परेशानी होती है। शिकायत करते हैं लेकिन जिम्मेदार ध्यान नहीं देते।–रामप्यारी

सीवर लाइन जाम होने के कारण गलियों में गंदा पानी जमा रहता है जिससे इतनी दुर्गंध उठती है कि घर में रहना भी मुश्किल हो जाता है। समस्या का निदान होना चाहिए।–लाली देवी

पेयजल की पाइप लाइन कई जगह से टूट गई है जिससे गंदा पानी नलों में आ रहा है। गंदे और बदबूदार पानी से बीमारी फैलने का खतरा बना हुआ है। इसका निदान जरूरी है।–मधु शर्मा

संभल में सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद के ध्वस्तीकरण पर हाईकोर्ट का रोक लगाने से इनकार, मुस्लिम पक्ष को झटका

प्रयागराज। संभल में सरकारी तालाब की जमीन पर बनी मस्जिद को ध्वस्तीकरण पर रोक लगाने वाली याचिका इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। लगातार दूसरे दिन सुनवाई करते हुए कोर्ट ने मस्जिद और मैरिज लान को ध्वस्त करने के लिए जारी आदेश को रद्द करने से इनकार कर दिया है। इस फैसले से मुस्लिम पक्ष को तगड़ा झटका लगा है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संभल में सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद व मैरिज हाल के ध्वस्तीकरण पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया। ध्वतीकरण की कार्रवाई के खिलाफ मुस्लिम पक्ष ने शुक्रवार को हाईकोर्ट में त्वरित सुनवाई की मांग के साथ याचिक याचिका दाखिल की थी, जो शनिवार को खारिज कर दी गई। आरोप है कि यह मस्जिद सरकारी तालाब की जमीन पर बनी थी। इस मामले में लगातार दूसरे दिन सुनवाई हुई। यह फैसला न्यायमूर्ति दिनेश पाठक की एकल पीठ ने दिया है।

यह याचिका सरकारी जमीन से बेदखली की कार्रवाई के खिलाफ उपलब्ध वैकल्पिक विधिक उपचार के कारण खारिज की गई है। बहस के बाद याची मुस्लिम पक्षकारों ने याचिका वापस ले ली। हाईकोर्ट ने कहा कि याची तहसीलदार की ओर से जारी बेदखली आदेश के खिलाफ अपील दाखिल करने के लिए स्वतंत्र है।कोर्ट ने अपीलीय प्राधिकारी को मुस्लिम पक्षकारों की अपील पर हाईकोर्ट के इस आदेश से प्रभावित हुए बिना गुणदोष के आधार पर फैसला लेने का निर्देश दिया है।

संभल में तालाब की जमीन पर बने मैरिज हॉल और मस्जिद के ध्वस्तीकरण के आदेश के खिलाफ इलाहाबाद हाईकोर्ट में मस्जिद कमेटी ने तत्काल सुनवाई की मांग के साथ याचिका दाखिल की थी। मामले में शुक्रवार की दोपहर सुनवाई तो हुई लेकिन कोर्ट ने कोई अंतरिम राहत नहीं दी है। याचिका में मसाजिद शरीफ गोसुलबारा रावा बुजुर्ग और मस्जिद के मुतवल्ली मिंजर ने ध्वस्तीकरण आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। मस्जिद कमेटी के अधिवक्ता अरविंद कुमार त्रिपाठी और शशांक त्रिपाठी ने दावा किया कि बरात घर पहले ही गिरा दिया गया है। फिर भी प्रशासन की ओर से ध्वस्तीकरण के लिए गांधी जयंती और दशहरे का दिन चुना गया। दूसरी ओर सरकार का आरोप है कि मस्जिद का कुछ हिस्सा सरकारी जमीन पर है और प्रशासन ने अवैध निर्माण हटाने के लिए मस्जिद कमेटी को चार दिन की मोहलत दी थी।

तालाब में डूबने से किशोर की मौत

प्रयागराज। भारतगंज कस्बे के गाड़ीवान मोहल्ला निवासी 14 वर्षीय चांद पुत्र अनवर की शुक्रवार को तालाब में डूबने से मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी के मुताबिक, चांद सुबह मदरसे गया था। करीब साढ़े 11 बजे छुट्टी के बाद वह अपने साथियों संग पुराने सगरा तालाब में नहाने पहुंचा। इसी दौरान वह अचानक गहरे पानी में डूब गया। काफी देर तक बाहर न निकलने पर साथियों ने मदरसे के हाफिज और परिजनों को सूचना दी। सूचना पर पहुंचे मोहल्ले के शोएब अंसारी की मदद से परिजनों ने किसी तरह चांद को तालाब से बाहर निकाला और मांडा सीएचसी लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर मिलते ही घर में चीख–पुकार मच गई। मां सहाना, छोटे भाई गोलू और रजा, बहन अयात का रो–रोकर बुरा हाल हो गया। बताया गया कि मृतक चांद भारतगंज कस्बे के एक निजी इंटर कॉलेज में कक्षा आठ का छात्र था।

मेजा में मूर्ति विसर्जन के दौरान तालाब में डूबा युवक, मौत

प्रयागराज। इलाके के अंतरी अमिलिया गांव में बृहस्पतिवार को तालाब में मूर्ति विसर्जन के दौरान एक युवक डूब गया। घंटे भर की कड़ी मशक्कत के बाद युवक को तालाब से निकाला जा सका। उसे तत्काल सीएचसी मेजा ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। बता दें कि अंतरी अमिलिया के तालाब में बृहस्पतिवार को कई गांवों के लोग मूर्ति विसर्जन कर रहे थे। पुलिस प्रशासन के लोग भी मौजूद थे। इसी बीच अंतरी अमिलिया के कठार गांव के लोग मूर्ति विसर्जन करना शुरू किया। इस दौरान गांव के शिवकरन चौरान (18) तालाब में गहरे पानी में चला गया। जिससे वह पानी में डूब गया। घंटे भर की कड़ी मशक्कत के बाद शिवकरन को तालाब से निकाला जा सका। परिजन उसे सीएचसी रामनगर ले गए जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक शिवकरन चार भाइयों में तीसरे नंबर का था। मेजा थाने के इंस्पेक्टर दीनदयाल सिंह ने बताया कि तालाब में जलकुंभी में फंस जाने से शिवकरन डूब गया। जिससे उसकी मौत हो गई। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मासूम की मौत से नाराज परिजनों ने रीवा राजमार्ग पर किया चक्काजाम, वाहनों की लगी लंबी कतार

प्रयागराज। प्राइवेट अस्पता में इलाज के दौरान मासूम की मौत के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। गलत उपचार करने का आरोप लगाते हुए परिजनों ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर रीवा राजमार्ग पर चक्काजाम कर दिया। दादरी निवासी विशाल पटेल के दो वर्षीय बालक देव की इलाज के दौरान हुई मौत से नाराज नागरिकों ने शनिवार की दोपहर शाखा ब्लॉक के समीप रीवा राजमार्ग पर चक्काजाम कर दिया, जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। मौके पर पहुंची पुलिस उन्हें समझाने का प्रयास कर रही है, लेकिन लोग मुआवजा देने और चिकित्सक की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

नैनी थाना क्षेत्र के दादरी निवासी विशाल पटेल के दो वर्षीय बेटे देव को बीते कई दिनों से बुखार आ रहा था, जिससे पूरा परिवार परेशान था। शनिवार को अधिक बुखार आने की वजह से उसे समीप स्थित एक क्लीनिक में चिकित्सक को दिखाया गया। चिकित्सक ने उसे एक इंजेक्शन लगाया था, जिससे कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई। इसकी जानकारी फैलते ही आसपास के लोगों में गुस्सा भड़क गया। लोग जब क्लीनिक पर पहुंचे तो चिकित्सक वहां से फरार हो चुका था। इस पर नाराज नागरिकों ने चाका ब्लॉक के समीप रीवा राजमार्ग पर शव रखकर कर जाम लगा दिया। सड़क पर बड़ी संख्याओं में महिलाओं के बैठने से पुलिस भी बैक फुट पर आ गई। पुलिस ने काफी समझाने बुझाने का प्रयास किया, लेकिन लोग मानने को तैयार नहीं। नागरिक आरोपित क्लिनिक संचालक की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। चक्काजाम के चलते वाहनों का लंबी कतार लग गई है। लोग जाम में फंसकर परेशान हो रहे हैं।

मथुरा के मांगे व सोरांव के रहबर बने मलाक बलऊ की दंगल के संयुक्त विजेता

प्रयागराज। मंसूराबाद क्षेत्र के मलाक बलऊ में गांधी, शास्त्री जयंती पर आयोजित विराट इनामी दंगल में मथुरा के पहलवान मांगे एवं सोरांव के रहबर संयुक्त चौंपियन बने। निर्धारित समय तक अनेक दांव पेंच और भारी कशमकश के बीच अंततरू बराबरी पर कुश्ती छूटी और दोनों को 25–25 सौ रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। वहीं दंगल में 25 जोड़ी अन्य पहलवानों ने भी अपनी कला का प्रदर्शन किया। कुश्ती में सभी विजेताओं को कमेटी की ओर से ग्राम प्रधान संदीप पटेल एवं विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने नकद पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किया गया।

इस मौके पर उपस्थित विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने कहा कि ऐसे दंगल ग्रामीण खेल संस्कृति को जीवित रखते हैं और युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करते हैं। उन्होंने आयोजन कमेटी का धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में सपा नेता व प्रदेश सचिव दूधनाथ पटेल, भाजपा नेता विनोद ओझा, आयोजन समिति के संरक्षक रिटायर्ड एडीएम माताफेर, अपना दल नेता राजेंद्र सिंह पटेल, सुभाष नेता, रामगनेश पटेल, लल्लन मिश्र, योगेश मिश्र, राम करन, अनिल ओझा आदि रहे। आयोजन की अध्यक्षता प्रधान संदीप पटेल एवं संचालन धर्म नारायण मिश्र ने किया।

यूपी में जंगलराज, संवैधानिक मूल्यों का पालन नहीं करती राज्य सरकार: इकरा हसन

हमको दरोगा चिट्ठी लिखवता है : माताप्रसाद

लखनऊ, (संवाददाता)। बरेली में पिछले हफ्ते शुक्रवार की नमाज के बाद भड़की हिंसा को लेकर यूपी की सियासत गर्म हो गई है। नेता प्रतिपक्ष विधानसभा माता प्रसाद पांडेय के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के 14 सांसदों और विधायकों का एक प्रतिनिधिमंडल बरेली का दौरा करने वाला था, लेकिन सपा डेलिगेशन को बरेली जाने की अनुमति नहीं दी गयी है। इस पर सपा सांसद इकरा हसन ने भाजपा सरकार पर हमला बोला है।सपा सांसद हरेंद्र सिंह मलिक और इकरा हसन आज शनिवार को बरेली के लिए रवाना हुए। इस दौरान गाजीपुर बॉर्डर पर पुलिस की ओर से रोके जाने पर सपा सांसद इकरा हसन ने कहा, मुझे समझ नहीं आ रहा कि हमें किस कानून के तहत रोका जा रहा है। यूपी में जंगलराज है और राज्य सरकार संवैधानिक मूल्यों का पालन नहीं कर रही है। मैं जनप्रतिनिधि हूँ और लोगों का दर्द बाँटने बरेली जा रही थी, लेकिन हमें रोक दिया गया। हम प्रशासन से अनुरोध करते हैं कि वह हमारे साथ चले। हम कुछ भी छिपाने की कोशिश नहीं कर रहे हैं। हमारा कोई एजेंडा नहीं , पता नहीं यूपी सरकार अपनी कौन सी करतूत छुपाना चाहती है कि हमें बरेली नहीं जाने दे रही है।

उधर लखनऊ में पुलिस की ओर से रोके जाने पर विपक्ष के नेता माता प्रसाद पांडे ने कहा, श्हमें जाने से रोका जा रहा है। यह कोई सांप्रदायिक दंगा नहीं था। उन्होंने खुद कानून–व्यवस्था बिगाड़ दी। वे पक्षपाती हो गए हैं। अगर दो समुदायों में झड़प होती तो मैं मानता कि कोई गंभीर घटना घटी है। जब हमने पुलिस से पूछा, तो उन्होंने कोई स्पष्ट जवाब नहीं दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि घटना के बाद बड़े पैमाने पर अन्याय हुआ। एक व्यक्ति पर आरोप लगाया गया है और चार को गिरफ्तार किया जा रहा है। समुदाय डरा हुआ है। वे प्रशासन और पुलिस से डरे हुए हैं। उनका दूसरे समुदाय से कोई झगड़ा नहीं है।माता प्रसाद पाण्डेय को शनिवार को सुबह लखनऊ में उनके निवास अवध विहार कालोनी में हाउस अरेस्ट किया गया है। उनके आवास के बाहर सुरक्षा बल तैनात हो गई। हाउस अरेस्ट से नाराज माता प्रसाद पाण्डेय ने कहा कि बरेली में बेगुनाह लोगों को जेल भेजने की सूचना है। उन्होंने कहा कि हमको रोकने के लिए डीएम को नोटिस देनी चाहिए थी। हमें वहां पार्टी कार्यकर्ताओं से जानकारी लेनी थी। पुलिस–प्रशासन हमें पता नहीं क्यों रोकते हैं। रोकने का मतलब इनके अवैधानिक काम देखेंगे। हम इनके सारे अवैधानिक काम उजागर करेंगे। उन्होंने कहा कि हमको दरोगा चिट्ठी लिखता है। कलेक्टर लिखता तो मान भी लेते,लेकिन पीजीआई थाने का दरोगा मुझे चिट्ठी लिखता है कि आप नहीं जा सकते। आप अंडर अरेस्ट हैं। इसके बाद बरेली के डीएम की चिट्ठी आई। उन्होंने कहा कि आपके यहां आने से माहौल बिगड़ेगा, आप यहां न आएं।माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि हम लोग माहौल नहीं बिगाड़ते हैं। प्रशासन अपनी कमियों को छिपाने के लिए हम लोगों को नहीं जाने दे रहा है। जो ज्यादती, गैरकानूनी काम, अवैध गिरफ्तारियां की होंगी उनकी हमें जानकारी मिल जाएगी इसलिए हमें रोका गया। माता प्रसाद पांडेय ने कहा कि वह पार्टी के नेताओं से बात कर आगे की रणनीति तय करेंगे। उन्होंने बताया कि अखिलेश यादव इस वक्त लंदन में हैं।चिट्ठी में क्या लिखा है? इस सवाल पर नेता विरोधी दल ने चिट्ठी को कैमरों के सामने कर दिया। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने हमारे नेतृत्व में बरेली जाने के लिए प्रतिनिधिमंडल बनाया। मकसद बरेली की घटना की वास्तविक जानकारी करना है। मैं यहां नहीं था। शाम को 5 बजे सूचना मिली। रात में 12 बजे जब घर आया तो इसके पहले की जाने की कोई बात हो यहां बड़ी संख्या में पुलिस थी।

अखिलेश शुक्ला महामंत्री, चित्रांशी यादव जिला संगठन मंत्री

एनयूजे प्रयागराज के जिलाध्यक्ष ने दोनों वरिष्ठ पत्रकारों को सौपी जिम्मेदारी

प्रयागराज। नेशनल यूनियन आफ जर्नलिस्ट प्रयागराज (एनयूजे) के वरिष्ठ संरक्षक पवन द्विवेदी की सलाह पर विशेषाधिकार का प्रयोग करते हुए जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने आज अखिलेश शुक्ला को एनयूजे प्रयागराज का जिला महामंत्री और चित्रांशी यादव को जिला संगठन मंत्री घोषित किया है। जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने बताया कि अखिलेश शुक्ला और चित्रांशी प्रयागराज के वरिष्ठ पदाधिकारी है। यह लोग एनयूजे के लिए शुरू से बहुत अच्छा काम कर रहे है ऐसे पूरी उम्मीद है कि दोनों वरिष्ठ पत्रकारों को जो जिम्मेदारी सौपी

गयी है उसका कुशलतापूर्वक निर्वहन करते हुए संगठन को और मजबूती प्रदान करेगे। एनयूजे के नवनियुक्त पदाधिकारी अखिलेश शुक्ला महामंत्री और चित्रांशी यादव जिला संगठन मंत्री को बधाई संरक्षक पवन द्विवेदी एवं परवेज आलम, जिलाध्यक्ष कुंदन श्रीवास्तव, मनीष द्विवेदी मधुर दरबारी उमेश श्रीवास्तव डॉ सुधाकर पान्डेय बीरेद्रं श्रीवास्तव धमेद्रं श्रीवास्तव वी के यादव जिया सिदीकी बृजेश कुमार शनी केसरी असद कुरैशी राम बाबू इरफान खान रंजीत निषाद शिव पान्डेय सौरभ कुमार आदर्श अनूप रावत मो0 नसीम देवाशीष श्रीवास्तव नफीस अहमद अशरफ अली अनिल त्रिपाठी गौरव त्रिपाठी मो0 शकील खान सैय्यद सुहैल हनीफ जितेद्रं सिंह शिव जी मालवीय आनन्द श्रीवास्तव अमीत श्रीवास्तव मुकेश कुमार गुप्ता सत्यम निषाद शेखर आदर्श शेखर आदर्श शुभम मालवीय राकेश कुमार पाल राम कैलाश कन्नौजिया मूलचद्रं भारतीय रतन शुक्ला अनिरूद त्रिपाठी शहनवाज अहमद मो0 युसुफ हसीन मुहम्मद सईद अहमद भालचद्रं पान्डेय बिहारी प्रताप यादव सुनील कुमार सेन देवेद्रं शुक्ला संजय निषाद सहित अन्य पदाधिकारी और सदस्यों बधाई दिया है।

8 अक्टूबर को सांगीपुर ग्राम में लगेगी मनरेगा चौपाल

– लोकपाल समाज शेखर करेंगे जन सुनवाई व निरीक्षण

प्रतापगढ़। विकास खंड सांगीपुर के ग्राम पंचायत सांगीपुर (भैरवन) मे 8 अक्टूबर को ग्राम सभा की खुली बैठक होगी। बैठक में मनरेगा शिकायतों की जन सुनवाई लोकपाल मनरेगा समाज शेखर द्वारा होगी तथा ग्राम के शिकायत कर्ता संजय गिरी की शिकायतों का ब्लाक व ग्राम स्तरीय मनरेगा कर्मियों

के साथ स्थलीय निरीक्षण कर आवश्यक निर्णय लेंगे।

लोकपाल कार्यालय द्वारा इस संबंध में बीडीओ सांगीपुर को आवश्यक निर्देश दिया गया है। ग्राम पंचायत में पंचायत भवन अथवा सार्वजनिक स्थल पर नियमानुसार गाँव सभा की बैठक बुलाने तथा सभी आवश्यक अभिलेखों के साथ सम्बन्धित मनरेगा कर्मियों को उपस्थित रह कर सहयोग करने के दिशा निर्देश दिया गया है। सामान्य अनुशासन हेतु स्थानीय थाने को लिखित सूचना देने और स्वयम उपस्थित रहकर व्यवस्था में सहयोग हेतु बीडीओ व अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा को निर्देशित किया गया है। लोकपाल समाज शेखर ने सभी ग्राम वासियों से 8 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे ग्राम सभा की बैठक व निरीक्षण में प्रतिभाग कर सक्रिय भागीदारी की अपील की है।

पैर की हड्डी से 2 किलो का ट्यूमर निकाला गया

स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल, प्रयागराज में जटिल ऑपरेशन सफल

प्रयागराज। स्वरूप रानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल के डॉक्टरों ने एक अत्यंत जटिल सर्जरी को अंजाम देते हुए एक युवक के पैर की हड्डी से लगभग 15 सेंटीमीटर लंबा और 2 किलोग्राम वजनी ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाल दिया। यह ट्यूमर ऑस्टियोकांड्रोमा (ब्जमवबीवदकतवउं) नामक बीमारी के कारण विकसित हुआ था। डॉक्टरों के अनुसार, यह अब तक टीबिया बोन का सबसे बड़ा ऑस्टियोकांड्रोमा केस माना जा रहा है।

इस सर्जरी का नेतृत्व सीनियर ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. मनीष शुक्ला ने किया। लगभग दो घंटे तक चले इस जटिल ऑपरेशन में डॉक्टरों की टीम ने बेहद सावधानी से मरीज की हड्डी से ट्यूमर को अलग किया।

मरीज की कहानी

मरीज सुनील कुमार, उम्र लगभग २० वर्ष, प्रयागराज के कोरांव क्षेत्र के निवासी हैं। वर्ष 2011 में उनके दाहिने पैर में घुटने के नीचे एक छोटी सी गांठ दिखाई दी थी। धीरे–धीरे यह गांठ बढ़ती गई और इतना बड़ा आकार ले लिया कि सुनील चलने–फिरने में पूरी तरह असमर्थ हो गए।

आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह वर्षों तक इलाज नहीं करा सके। हाल ही में वे एसआरएन अस्पताल पहुंचे, जहां डॉ. मनीष शुक्ला की ओपीडी में जांच के बाद एमआरआई, सीटी स्कैन और बायोप्सी कराई गई। जांच में पता चला कि यह ऑस्टियोकांड्रोमा नामक बिनाइन ट्यूमर है जिससे उनके पैर की नसें क्षतिग्रस्त हो रही थी ।

ऑपरेशन की चुनौतियाँ

डॉ. मनीष शुक्ला ने बताया कि यह ऑपरेशन बेहद जोखिम भरा था क्योंकि ट्यूमर नसों और मांसपेशियों के बेहद करीब था और नसों के पूरी तरह ख़राब होने का का जोखिम था ।

इन सभी जोखिमों के बावजूद ऑपरेशन पूरी तरह सफल रहा। सर्जरी के बाद मरीज की स्थिति स्थिर है और डॉक्टरों का कहना है कि वह कुछ ही दिनों में अपने पैर पर चलने लगेंगे।

चिकित्सकीय दृष्टि से महत्वपूर्ण उपलब्धि

डॉक्टरों के अनुसार, टीबिया बोन में इससे पहले वर्ष 2023, कर्नाटक में, टिबिया बोन का 13 सेंटीमीटर लंबा ऑस्टियोकांड्रोमा का केस दर्ज हुआ था।

समाधान दिवस में पहुंचे डीएम और मंडलायुक्त, शिकायतकर्ता से फोन पर लें फीडबैक

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ में शनिवार को आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के तहत जिलाधिकारी विशाख जी. और मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने अलग–अलग तहसीलों में जनसुनवाई की। जिलाधिकारी जहां मोहनलालगंज तहसील पहुंचे, वहीं मंडलायुक्त ने सदर तहसील में आम जनों की समस्याएं सुनीं। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने साफ निर्देश दिया कि शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण हो और विभागीय अधिकारी पुराने प्रकरणों की सत्यापन कॉल के जरिए पुष्टि करें। जिलाधिकारी विशाख जी. सुबह मोहनलालगंज तहसील पहुंचे और सम्पूर्ण समाधान दिवस में लोगों की शिकायतें सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि पिछले तहसील दिवस में आए प्रकरणों का निस्तारण न सिर्फ शीघ्र करें बल्कि शिकायतकर्ताओं से फोन पर संपर्क कर फीडबैक भी लें। डीएम ने कहा कि "जनता की संतुष्टि सर्वोपरि है, कोई भी शिकायत अधूरी नहीं छोड़ी जानी चाहिए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सख्त लहजे में कहा कि समाधान दिवस में केवल औपचारिकता न निभाई जाए। प्रत्येक विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा कि पिछली सुनवाई में निपटाए गए प्रकरणों का सत्यापन किया जाए और शिकायतकर्ता से यह जानकारी ली जाए कि समस्या वास्तव में सुलझी या नहीं। वहीं, मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत सदर तहसील पहुंचे और लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने राजस्व, पुलिस और विकास विभाग के अधिकारियों को बुलाकर मौके पर ही कई मामलों का निस्तारण कराया। मंडलायुक्त ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य सिर्फ सुनवाई नहीं बल्कि गुणवत्तापूर्ण समाधान देना है। जनसुनवाई के दौरान मंडलायुक्त ने कुछ शिकायतकर्ताओं को स्वयं कॉल कर निस्तारण की स्थिति जानी। एक मामले में संतोषजनक जवाब न मिलने पर उन्होंने संबंधित लेखपाल और तहसीलदार को फटकार लगाई और चेतावनी दी कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा, "लोग उम्मीद के साथ आते हैं, इसलिए समाधान भी उन्हें उसी गंभीरता से मिलना चाहिए।

डीएम सर, प्रिंसिपल मैडम हमें गालियां देती हैं, मोहनलालगंज तहसील में डीएम से शिकायत करने पहुंचीं बच्चियां

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ डीएम के पास कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की कई बच्चियां शिकायत लेकर पहुंच गईं। उन्होंने बताया कि विद्यालय में रात में कई आदमी आते हैं। उधर देखने पर प्रिंसिपल हम बच्चियों को गालियां देती हैं। धमकी देती हैं कि ये बात किसी को बताना नहीं। अगर बताया तो मारकर फेंक देंगे। कोई पता भी नहीं पाएगा। जिलाधिकारी विशाख जी. के सामने बच्चियां मोहनलालगंज तहसील में शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस पर शिकायत की। स्कूल की बच्चियों ने डीएम को लिखित शिकायत में बताया कि विद्यालय की प्रिंसिपल और वार्डन उनसे झाड़ू–पोंछा लगवाती हैं। साथ ही बाथरूम साफ करवाती हैं। रात में 5–6 गाड़ियों से विद्यालय में आदमी आते हैं। किसी बच्ची ने अगर उधर देख लिया तो उसकी बेरहमी से पिटाई कर मैडम गाली देती हैं। छात्रों का कहना था कि उन्हें सही से भोजन भी नहीं मिलता है। बच्चियों ने कहा है कि अब वह स्कूल नहीं जाएंगी। बच्चियां नवरात्रि और दशहरे की छुट्टियों पर घर पहुंचीं तो अभिभावकों से पूरी बात बताई। उन्हें अपनी चोटें भी दिखाईं। डीएम को दिए शिकायती पत्र में ध्अभिभावकों ने सिग्नेचर किए हैं। इसमें बताया है कि बच्चों को यूनिफॉर्म और अन्य जरूरी सामान वे खुद दिलाते हैं। अभिभावकों ने यह भी बताया है कि प्रिंसिपल उनकी बच्चियों को जातिसूचक गालियां देती हैं। कहती हैं कि नीची जाति को हो नीची ही रहोगी। ब्राह्मण, यादव बनने की कोशिश मत करो। अभिभावकों का कहना है कि वे बच्चों को तब तक स्कूल नहीं भेजेंगे जब तक की प्रधानाचार्य और वार्डन निलंबित नहीं किए जाते। नगराम के अचिंत कुमार भी तहसील पहुंचे। उन्होंने जिलाधिकारी से कहा उनकी श्याम प्यारी के साथ साझे की जमीन है। उसने 1000 वर्ग फीट भूमि पर कब्जा कर मकान खड़ा कर लिया है। शेष भूमि पर कब्जा करने की कोशिश में लगी हुई है।

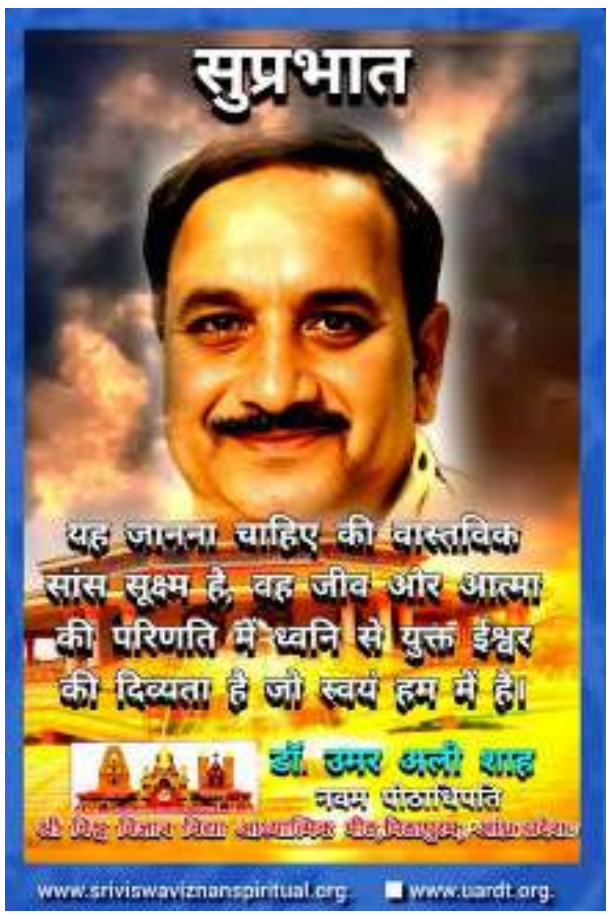

हरसिंगार

(कुण्डलिया)

प्रचलित हैं नाना कथा, जिसके गहरे अर्थ।
छोटे कद का हरसिंगार,खुद में बहुत समर्थ।
खुद में बहुत समर्थ, इन्द्र की बगिया मोहे।
अरु रुक्मणि के साथ, सत्यभामा को सोहे।
सुन लो कहें प्रदीप, करे जो बातें जनहित।
अति पावन वह पुष्प,लोक में है अति प्रचलित।।

खिलती है क्यों रात में, हरि प्रिय हरसिंगार।
कथा पुरानी है बहुत, इसका सूरज प्यार।
इसका सूरज प्यार, जहाँ थे वादे सच्चे।
मिलने आते सूर्य,रात में बनकर अच्छे।
सुन लो कहें प्रदीप,मिलन का स्वागत करती।
अंतस भरे सुगन्ध,फूल बनकर वह खिलती।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये गाड़ी सं. 03255/03256 पटना जं.-आनन्द विहार (ट.) सुपरफास्ट विशेष रेलगाड़ी की नई नियमित गाड़ी सं. 13251/13252 पटना जं.-आनन्द विहार (ट.) एक्सप्रेस (सप्ताह में 02 दिन) के रूप में दिनांक 07.12.2025 से संचालन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी संख्या 13251/13252 पटना जं.- आनन्द विहार (ट.)-पटना जं. (द्वि. साप्ताहिक) एक्सप्रेस विशेष रेलगाड़ी

13251 पटना जं.-आनन्द विहार (ट.)			13252 आनन्द विहार (ट.)-पटना जं.	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
रवि., गुरु.	22:20	पटना जं.	18:35	मंगल., शनि.
04:40	04:45	प्रयागराज जं.	09:30	09:35
07:30	07:40	गोविन्दपुरी	06:00	06:10
18:35	सोम., शुक्र.	आनन्द विहार (ट.)	सोम., शुक्र.	23:30

• पटना जं. से: गाड़ी संख्या 13251, (रविवार एवं गुरुवार), दिनांक 07.12.2025 से अगले निर्देश तक। • आनन्द विहार (ट.) से: गाड़ी संख्या 13252, (सोमवार एवं शुक्रवार), दिनांक 08.12.2025 से अगले निर्देश तक।

गाड़ी संरचना: सामान्य श्रेणी-04, स्लीपर श्रेणी-06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-05, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी-01, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-02, वातानुकूलित प्रथम श्रेणी-01

नोट : गाड़ी सं. 03255 विशेष रेलगाड़ी का संचालन दिनांक 07.12.2025 से एवं गाड़ी सं. 03256 विशेष रेलगाड़ी का संचालन दिनांक 08.12.2025 से नहीं होगा।

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाईट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways @www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 1826/25(MG)

आवश्यक सूचना

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए गाड़ी संख्या 03261/03262 दानापुर-यशवंतपुर त्योहार/पूजा विशेष रेलगाड़ी के संचालन एवं दिनांक 08.12.2025 से गाड़ी संख्या 05289/05290 मुजफ्फरपुर-हडपसर विशेष रेलगाड़ी नई नियमित गाड़ी संख्या 15589/15590 मुजफ्फरपुर-हडपसर एक्सप्रेस के रूप में संचालित होगी, जिसका विवरण निम्नवत् है:-

गाड़ी सं. 03261/03262 दानापुर-यशवंतपुर-दानापुर विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 03261			गाड़ी संख्या - 03262	
दानापुर - यशवंतपुर			यशवंतपुर - दानापुर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
.....	10:00	दानापुर	12:00	.....
18:15	18:20	प्रयागराज छिवकी	03:17	03:22
21:58	22:00	मानिकपुर	00:15	00:17
21:30	.....	यशवंतपुर	.....	07:00

• दानापुर से गाड़ी संख्या 03261, शनिवार, दिनांक : 11.10.2025 से 27.12.2025 तक • यशवंतपुर से गाड़ी संख्या 03262, मंगलवार, दिनांक : 14.10.2025 से 30.12.2025 तक

गाड़ी संरचना : सामान्य श्रेणी : 05, स्लीपर श्रेणी : 09, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी : 02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी : 02

गाड़ी सं. 15589/15590 मुजफ्फरपुर-हडपसर-मुजफ्फरपुर नई विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 15589			गाड़ी संख्या - 15590	
मुजफ्फरपुर - हडपसर			हडपसर - मुजफ्फरपुर	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
.....	19:25	मुजफ्फरपुर	21:50	.....
04:00	04:02	प्रयागराज छिवकी	11:08	11:10
06:48	06:50	मानिकपुर	09:13	09:15
06:25	.....	हडपसर	.....	10:00

• मुजफ्फरपुर से गाड़ी संख्या 15589, सोमवार, दिनांक : 08.12.2025 से अगले निर्देश तक • हडपसर से गाड़ी संख्या 15590, बुधवार, दिनांक : 10.12.2025 से अगले निर्देश तक

गाड़ी संरचना : वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी : 12, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी : 08

नोट : गाड़ी संख्या 05289 विशेष रेलगाड़ी का संचालन 08.12.2025 से एवं गाड़ी संख्या 05290 विशेष रेलगाड़ी का संचालन 10.12.2025 से नहीं होगा।

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाईन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाईट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

North central railways @www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR 1823/25(AS)

सम्पादकीय.....

मेहनत की कमाई में सेंध

कैसी विडंबना है कि भोले–भाले लोगों से छल करके खून–पसीने से हासिल जीवनभर की पूंजी ऑनलाइन डकैती में लूट ली जाती है। जिसकी वापसी के लिए तंत्र की कोई जवाबदेही और कानून–व्यवस्था से कोई गारंटी सुनिश्चित नहीं है। जब तंत्र लगातार ऑनलाइन सेवाओं के उपयोग के लिये प्रेरित करता है तो उसे जनधन की सुरक्षा की गारंटी भी सुनिश्चित करनी चाहिए। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी द्वारा जारी हालिया आंकड़े इस संकटपूर्ण स्थिति का खुलासा करते हैं। एनसीआरबी की रिपोर्ट खुलासा करती है कि वर्ष 2023 में साइबर क्राइम की घटनाओं में 31.2 प्रतिशत की तेज वृद्धि देखी गई है। जिसके आने वाले वर्षों में और अधिक होने की आशंका जतायी जा रही है। जो इस बात का प्रमाण है कि ऑनलाइन धोखाधड़ी से निबटना अब दिन–प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है। निश्चित रूप से साइबर क्राइम से जुड़े अपराधों के आंकड़े जुटाने की एनसीआरबी की पहल महत्वपूर्ण है, जो इस संकट से निबटने की अंतदृष्टि प्रदान करती है। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि हम इन अपराधों से निबटने के लिये कैसे रणनीति बनाते हैं। साथ ही आम लोगों को जागरूक करने की जरूरत है कि कैसे वे साइबर अपराधियों के संजाल में फंसने से बच सकते हैं। यूं तो डेटा सुरक्षा के लिये तमाम दिशा–निर्देश सरकार के विभिन्न संगठनों की तरफ से दिए जाते हैं, लेकिन आज भी पुरानी पीढ़ी के तमाम लोग ऐसे हैं जो ऑनलाइन सुविधाओं के उपयोग को लेकर पर्याप्त रूप से साक्षर नहीं होते। ऐसे में लोगों को जागरूक करना जरूरी है कि दैनिक जीवन में ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग करते हुए अपने गोपनीय डेटा की सुरक्षा कैसे करें। लेकिन विडंबना यह है कि साइबर अपराधी नित नए तौर–तरीकों से लोगों को लूटने लगते हैं। कुछ समय पहले साइबर लुटेरों ने स्पूफिंग तकनीक से लोगों को शिकार बनाना शुरू किया। वे सोशल मीडिया अकाउंट में घुसपैठ करके धन की उगाही करने लगते। व्यक्ति को संकट में दिखाकर उसके रिश्तेदारों से धन ऐंठने लगते। विडंबना यह है कि साइबर ठगी की तकनीक उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबरों और ई–मेल खातों तक भी पहुंच गई। दरअसल, कभी हैकिंग, तो कभी स्पूफिंग के कपटपूर्ण छल का मकसद लोगों की जमा–पूंजी को निशाना बनाना ही रहा है। दरअसल, जब तक लोग ठगी के इन तौर–तरीकों को समझ पाते, साइबर ठग नई तकनीक के सहारे लोगों को भ्रमित कर चूना लगाने की नई कोशिश में लग जाते हैं। ऐसे में साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों के बीच सवाल उठता है कि हमारा तंत्र इन घटनाओं में पर प्रभावी रोक लगाने में कामयाब क्यों नहीं हो पाता। आखिर फोन व कंप्यूटर में मजबूत एंटी वायरस और इंटरनेट सुरक्षा सॉफ्टवेयर क्यों कामयाब नहीं होते। आखिर क्यों साइबर घुसपैठ के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। इन पर रोक के लिये कोई कारगर व्यवस्था व मैकेनिज्म क्यों नहीं बन पा रहा है। दूरसंचार नियामक ट्राई की अपनी सीमाएं हैं। संकट यह भी है कि ज्यादातर साइबर अपराध की घटनाएं प्रॉक्सी यानी छद्म सर्वर या फिर वीपीएन यानी वर्चुअल प्राइवेट नेटवर्क के जरिये अंजाम दी जाती हैं। ज्यादातर अपराध भारत के बाहर से संचालित होते हैं। यही वजह है कि जालसाज विदेश में बैठकर भी भारत के अपराधियों की मदद से धोखाधड़ी का नेटवर्क बना लते हैं। इससे वे भारतीय नागरिकों को चपत लगाने में सफल हो जाते हैं। निस्संदेह, ऐसे मामलों में व्यक्तिगत सावधानी और सजगता–सतर्कता मददगार साबित हो सकती है। खासकर इंटरनेट बैंकिंग का प्रयोग करते वक्त अतिरिक्त सावधानी से ऐसी धोखाधड़ी से बचा जा सकता है। लोगों को याद रखना चाहिए कि कभी बैंक का कोई अधिकारी खाताधारक से निजी व गोपनीय जानकारी नहीं पूछता है। वो कभी फोन व ई–मेल से ऐसी जानकारी नहीं मांगता है। इसलिए जरूरी है कि यदि कोई व्यक्ति बैंक खाते की सुरक्षा से जुड़े पासवर्ड,पिन, सीवीवी तथा खाता नंबर की जानकारी मेल या फोन से मांगता है तो उसे नजरअंदाज करना चाहिए। ऐसी ही सावधानी हाऊस अरेस्ट के मामलों में भी बरतनी चाहिए। साथ ही असली–नकली वेबसाइट की सावधानी से जांच करनी चाहिए।

तीर्थराज प्रयाग: इतिहास के आईने में

भारत के ऐतिहासिक मानचित्र पर इलाहाबाद एक ऐसा प्रकाश स्तम्भ है, जिसकी रोशनी कभी भी धूमिल नहीं हो सकती। इस नगर ने युगों की करवट देखी है, बदलते हुये इतिहास के उत्थान–पतन को देखा है, राष्ट्र की सामाजिक व सांस्कृतिक गरिमा का यह गवाह रहा है तो राजनैतिक एवं साहित्यिक गतिविधियों का केन्द्र भी। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इस नगर का नाम 'प्रयाग' है। ऐसी मान्यता है कि चार वेदों की प्राप्ति पश्चात ब्रह्म ने यहीं पर यज्ञ किया था, सो सृष्टि की प्रथम यज्ञ स्थली होने के कारण इसे प्रयाग कहा गया। प्रयाग माने प्रथम यज्ञ। कालान्तर में मुगल सम्राट अकबर इस नगर की धार्मिक और सांस्कृतिक ऐतिहासिकता से काफी प्रभावित हुआ। उसने भी इस नगरी को ईश्वर या अल्लाह का स्थान कहा और इसका नामकरण 'इलहवास' किया अर्थात जहाँ पर अल्लाह का वास है। परन्तु इस सम्बन्ध में एक मान्यता और भी है कि इला नामक एक धार्मिक सम्राट, जिसकी राजधानी प्रतिष्ठानपुर (अब झूंसी) थी के वास के कारण इस जगह का नाम 'इलावास' पड़ा। कालान्तर में अंग्रेजों ने इसका उच्चारण 'इलाहाबाद' कर दिया।

इलाहाबाद एक अत्यन्त पवित्र नगर है, जिसकी पवित्रता गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम के कारण है। वेद से लेकर पुराण तक और संस्कृति कवियों से लेकर लोकसाहित्य के रचनाकारों तक ने इस संगम की महिमा का गान किया है। इलाहाबाद को संगमनगरी, कुम्भनगरी और तीर्थराज भी कहा गया है। प्रयागशताध्यायी के अनुसार काशी, मथुरा, अयोध्या इत्यादि सप्तपुरियाँ तीर्थराज प्रयाग की पटरानियाँ हैं, जिनमें काशी को प्रधान पटरानी का दर्जा प्राप्त है। तीर्थराज प्रयाग की विशालता व पवित्रता के सम्बन्ध में सनातन धर्म में मान्यता है कि एक बार देवताओं ने सप्तद्वीप, सप्तसमुद्र, सप्तकुलपर्वत, सप्तपुरियाँ, सभी तीर्थ और समस्त नदियाँ तराजू के एक पलड़े पर रखीं, दूसरी ओर मात्र तीर्थराज प्रयाग को रखा, फिर भी प्रयागराज ही भारी रहे। वस्तुतः गोमुख से इलाहाबाद तक जहाँ कहीं भी कोई नदी गंगा से मिली है उस स्थान को प्रयाग कहा गया है, जैसे–देवप्रयाग, कर्ण प्रयाग, रूद्रप्रयाग आदि। केवल उस स्थान पर जहाँ गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम है प्रयागराज कहा गया। इस प्रयागराज इलाहाबाद के बारे में गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है–

को कहि सकई प्रयाग प्रभाऊ, कलुष पुंज कुंजर मगराऊ।
सकल काम प्रद तीरथराऊ, बेद विदित जग प्रगट प्रभाऊ।।''

अगर हम प्रागैतिहासिक काल में झांककर देखें तो इलाहाबाद और मिर्जापुर के मध्य अवस्थित बेलनघाटी में पुरापाषाण काल के पशु–अवशेष प्राप्त हुये हैं। बेलनघाटी में विंध्यपर्वत के उत्तरी पृष्ठों पर लगातार तीन अवस्थायें–पुरापाषाण, मध्यपाषाण व नवपाषाण काल एक के बाद एक पाई जाती हैं। भारत में नवपाषाण युग की शुरूआत ईसा पूर्व छठीं सहस्त्राब्दी के आसपास हुयी और इसी समय से उपमहाद्वीप में चावल, गेहूँ व जौ जैसी फसलें उगायी जाने लगीं। इलाहाबाद जिले के नवपाषाण स्थलों की यह विशेषता है कि यहाँ ईसा पूर्व छठी सहस्त्राब्दी में भी चावल का उत्पादन होता था। इसी प्रकार वैदिक संस्कृति का उद्भव भले ही सप्तसिन्धु देश (पंजाब) में हुआ हो, पर विकास पश्चिमी गंगा घाटी में ही हुआ। गंगा–यमुना दोआब पर प्रभुत्व पाने हेतु तमाम शक्तियाँ संघर्षरत रहीं और नदी तट पर होने के कारण प्रयाग का विशेष महत्व रहा । आर्यों द्वारा उल्लिखित द्वितीय प्रमुख नदी सरस्वती प्रारम्भ से ही प्रयाग में प्रवाहमान थीं। सिन्धु सभ्यता के बाद भारत में 'द्वितीय नगरीकरण' गंगा के मैदानों में ही हुआ। यहाँ तक कि सभी उत्तरकालीन वैदिक ग्रंथ लगभग 1000–600 ई0पू0 में उत्तरी गंगा मैदान में ही रचे गये। उत्तर वैदिक काल के प्रमुख नगरों में से एक कौशाम्बी था, जो कि वर्तमान में इलाहाबाद से एक पृथक जनपद बन गया है। प्राचीन कथाओं के अनुसार महाभारत युद्ध के काफी समय बाद हस्तिनापुर बाढ़ में बह गया और कुरूवंश में जो जीवित रहे वे इलाहाबाद के पास कौशाम्बी में आकर बस गये। बुद्ध के समय अवस्थित 16 बड़े–बड़े महाजनपदों में से एक वत्स की राजधानी कौशाम्बी थी।

मौर्यकाल में पाटलिपुत्र, उज्जयिनी और तक्षशिला के साथ कौशाम्बी व प्रयाग भी चोटी के नगरों में थे। प्रयाग में मौर्य शासक अशोक के 6 स्तम्भ लेख प्राप्त हुये हैं। संगम–तट पर किले में अवस्थित 10.6 मी0 ऊँचा अशोक स्तम्भ 232 ई0पू0 का है, जिस पर तीन शासकों के लेख खुदे हुए हैं। 200 ई0 में समुद्रगुप्त इसे कौशाम्बी से प्रयाग लाया और उसके दरबारी कवि हरिषेण द्वारा रचित 'प्रयाग–प्रशस्ति' इस पर खुदवाया गया। कालान्तर में 1605 ई0 में इस स्तम्भ पर मुगल सम्राट जहाँगीर के तख़्त पर बैठने का वाकया भी खुदवाया गया। 1800 ई0 में किले की प्राचीर सीधी बनाने हेतु इस स्तम्भ को गिरा दिया गया और 1838 में अंग्रेजों ने इसे पुनः खड़ा किया।

गुप्तकालीन शासकों की प्रयाग राजधानी रही है। गुप्त सम्राट समुद्रगुप्त के दरबारी कवि हरिषेण द्वारा रचित 'प्रयाग–प्रशस्ति' उसी स्तम्भ पर खुदा है, जिस पर अशोक का है। इलाहाबाद में प्राप्त 448 ई0 के एक गुप्त अभिलेख से ज्ञात होता है कि पांचवीं सदी में भारत में 'दाशमिक पद्धति' ज्ञात थी। इसी प्रकार इलाहाबाद के करछना नगर के समीप अवस्थित गढ़वा से एक–एक चन्द्रगुप्त व स्कन्दगुप्त का और दो अभिलेख कुमारगुप्त के प्राप्त हुए हैं, जो उस काल में प्रयाग की महत्ता दर्शाते हैं। 'कामसूत्र' के रचयिता मलंग वात्सायन का जन्म भी कौशाम्बी में हुआ था।

भारत के अंतिम हिन्दू सम्राट माने जाने वाले हर्षवर्धन के समय में भी प्रयाग की महत्ता अपने चरम पर थी। चीनी यात्री ह्वेनसांग लिखता है कि–'' इस काल में पाटलिपुत्र और वैशाली पतनावस्था में थे, इसके विपरीत दोआब में प्रयाग और कन्नौज महत्वपूर्ण हो चले थे।'' ह्वेनसांग ने हर्ष द्वारा महायान बौद्ध धर्म के प्रचारार्थ कन्नौज और तत्पश्चात प्रयाग में आयोजित 'महामोक्ष परिषद' का भी उल्लेख किया है। इस सम्मेलन में हर्ष अपने शरीर के वस्त्रों को छोड़कर सर्वस्व दान कर देता था। स्पष्ट है कि प्रयाग बौद्धों हेतु भी उतना ही महत्वपूर्ण रहा है, जितना कि हिन्दुओं हेतु। कुम्भ में संगम में स्नान का प्रथम ऐतिहासिक अभिलेख भी हर्ष के ही काल का है।

प्रयाग में घाटों की एक ऐतिहासिक परम्परा रही है। यहाँ स्थित 'दशाश्वमेध घाट' पर प्रयाग महात्म्य के विषय में मार्कंडेय ऋषि द्वारा अनुप्राणित होकर धर्मराज युधिष्ठिर ने दस यज्ञ किए और अपने पूर्वजों की आत्मा हेतु शांति प्रार्थना की। धर्मराज द्वारा दस यज्ञों को सम्पादित करने के कारण ही इसे दशाश्वमेध घाट कहा गया। एक अन्य प्रसिद्ध घाट 'रामघाट' (झूंसी) है। महाराज इला जो कि भगवान राम के पूर्वज थे, ने यहीं पर राज किया था। उनकी संतान व चन्द्रवंशीय राजा पुरूरवा और गंधर्व मिलकर इसी घाट के किनारे अग्निहोत्र किया करते थे। धार्मिक अनुष्ठानों और स्नानादि हेतु प्रसिद्ध 'त्रिवेणी घाट' वह जगह है जहाँ पर यमुना पूरी दृढ़ता के साथ स्थिर हो जाती हैं व साक्षात् तापस बाला की भांति गंगा जी यमुना की ओर प्रवाहमान होकर संगम की कल्पना को साकार करती हैं। त्रिवेणी घाट से ही थोड़ा आगे 'संगम घाट' है। संगम क्षेत्र का एक ऐतिहासिक घाट 'किला घाट' है। अकबर द्वारा निर्मित ऐतिहासिक किले की प्राचीरों को जहाँ यमुना स्पर्श करती हैं, उसी के पास यह किला घाट है और यहीं पर संगम तट तक जाने हेतु नावों का जमावड़ा लगा रहता है। इसी घाट से पश्चिम की ओर थोड़ा बढ़ने पर अदृश्य सलिला सरस्वती के समीकृत 'सरस्वती घाट' है। 'रसूलाबाद घाट' प्रयाग का सबसे महत्वपूर्ण घाट है। महिलाओं हेतु सर्वथा निषिद्व शमशानघाट की विचारधारा के विरूद्ध यहाँ अभी हाल तक महाराजिन बुआ नामक महिला शमशानघाट में वैदिक रीति से अंतिम संस्कार सम्पन्न कराती थीं।

सल्तनत काल में भी इलाहाबाद सामारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा। अलाउद्दीन खिलजी ने इलाहाबाद में कड़ा के निकट अपने चाचा व श्वसुर जलालुद्दीन खिलजी की धोखे से हत्या कर अपने साम्राज्य की स्थापना की। मुगल–काल में भी इलाहाबाद अपनी ऐतिहासिकता को बनाये रहा। अकबर ने संगम तट पर 1583 ई0 में किले का निर्माण कराया। ऐसी भी मान्यता है कि यह किला अशोक द्वारा निर्मित था और अकबर ने इसका जीर्णोद्धार मात्र करवाया। पुनः 1838 में अंग्रेजों ने इस किले का पुनर्निर्माण करवाया और वर्तमान रूप दिया। इस किले में भारतीय और ईरानी वास्तुकला का मेल आज भी कहीं–कहीं दिखायी देता है। इस किले में 232 ई0पू0 का अशोक का स्तम्भ, जोधाबाई महल, पातालपुरी मंदिर, सरस्वती कूप और अक्षय वट अवस्थित हैं। ऐसी मान्यता है कि वनवास के दौरान भगवान राम इस वट–वृक्ष के नीचे ठहरे थे और उन्होंने उसे अक्षय रहने का वरदान दिया था सो इसका नाम अक्षयवट पड़ा। किले–प्रांगण में अवस्थित सरस्वती कूप में सरस्वती नदी के जल का दर्शन किया जा सकता है। इसी प्रकार मुगलकालीन शोभा बिखेरता 'खुसरो बाग' जहांगीर के बड़े पुत्र खुसरो द्वारा बनवाया गया था। यहाँ बाग में खुसरो, उसकी माँ और बहन सुल्तानुन्निसा की कब्रें हैं। ये मकबरे काव्य और कला के सुन्दर नमूने हैं। फारसी भाषा में जीवन की नश्वरता पर जो कविता यहाँ अंकित है वह मन को भीतर तक स्पर्श करती है।

बक्सर के युद्ध (1764) बाद अंग्रेजों ने बंगाल, बिहार और उड़ीसा पर आधिपत्य कर लिया, पर मुगल सम्राट शाहआलम द्वितीय अभी भी नाममात्र का प्रमुख था। अंततः बंगाल के ऊपर कानूनी मान्यता के बदले ईस्ट इण्डिया कम्पनी ने शाह आलम को 26 लाख रूपये दिए एवं कड़ा व इलाहाबाद के जिले भी जीतकर दिये। सम्राट को 6 वर्षो तक कम्पनी ने इलाहाबाद के किले में लगभग बंदी बनाये रखा। पुनः 1801 में अवध नवाब को अंग्रेजों ने सहायक संधि हेतु मजबूर कर गंगा–यमुना दोआब पर कब्जा कर लिया। उस समय इलाहाबाद प्रान्त अवध के ही अन्तर्गत था। इस प्रकार 1801 में इलाहाबाद अंग्रेजों की अधीनता में आया और उन्होंने इसे वर्तमान नाम दिया।

स्वतत्रता संघर्ष आन्दोलन में भी इलाहाबाद की एक अहम् भूमिका रही। राष्ट्रीय नवजागरण का उदय इलाहाबाद की भूमि पर हुआ तो गाँधी युग में यह नगर प्रेरणा केन्द्र बना। राष्ट्रीय कांग्रेस के संगठन और उन्नयन में भी इस नगर का योगदान रहा है। 1857 के विद्रोह का नेतृत्व यहाँ पर लियाकत अली ने किया । कांग्रेस पार्टी के तीन अधिवेशन यहाँ पर 1888,1892 और 1910 में क्रमशः जार्ज यूल, व्योमेश चंद बनर्जी और सर विलियम बेडरबर्न की अध्यक्षता में हुये। महारानी विक्टोरिया का 1 नंवबर 1858 का प्रसिद्ध घोषणा पत्र यहीं अवस्थित मिण्टो पार्क (अब मदन मोहन मालवीय पार्क) में तत्कालीन वायसराय लार्ड केनिंग द्वारा पढ़ा गया था। नेहरू परिवार का पैतृक आवास स्वराज भवन और आनन्द भवन यहीं पर है। नेहरू–गाँधी परिवार से जुड़े होने के कारण इलाहाबाद ने देश को प्रथम प्रधानमंत्री भी दिया। उदारवादी व समाजवादी नेताओं के साथ–साथ इलाहाबाद क्रांतिकारियों की भी शरणस्थली रहा है। चंद्रशेखर आजाद ने यहीं पर अल्फ्रेड पार्क में 27 फरवरी 1931 को अंग्रेजों से लोहा लेते हुये ब्रिटिश पुलिस अध्यक्ष नॉट बाबर और पुलिस अधिकारी विशेश्वर सिंह को घायल कर कई पुलिसजनों को मार गिराया और अंततः खुद को गोली मारकर आजीवन 'आजाद' रहने की कसम पूरी की। 1919 के रौलेट एक्ट को सरकार द्वारा वापस न लेने पर जून 1920 में इलाहाबाद में एक सर्वदलीय सम्मेलन हुआ जिसमें स्कूल, कॉलेजों और अदालतों के बहिष्कार के कार्यक्रम की घोषणा हुयी, इस प्रकार प्रथम असहयोग और खिलाफत आंदोलन की नींव भी इलाहाबाद में ही रखी गयी।

वाकई इलाहाबाद इतिहास के इतने आयामों को अपने अन्दर छुपाये हुए है कि सभी का वर्णन सम्भव नहीं। 1887 में स्थापित 'पूरब का ऑक्सफोर्ड' कहे जाने वाले इलाहाबाद विश्वविद्यालय की अपनी अलग ही ऐतिहासिकता है। इस संस्थान से शिक्षा प्राप्त कर जगद्गुरू भारत को नई ऊँचाईयाँ प्रदान करने वालों की एक लम्बी सूची है। इसमें उत्तर प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री गोविन्द वल्लभ पन्त, उत्तराखण्ड के प्रथम मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के प्रथम अध्यक्ष जस्टिस रंगनाथ मिश्र, स्वतंत्र भारत के प्रथम कैबिनेट सचिव धर्मवीर, राष्ट्रपति पद को सुशोभित कर चुके डॉ0 शंकर दयाल शर्मा, पूर्व प्रधानमंत्री द्वय वी0पी0सिंह व चन्द्रशेखर, राज्यसभा की उपसभापति रहीं नजमा हेपतुल्ला, मुरली मनोहर जोशी, मदन लाल खुराना, अर्जुन सिंह, सत्य प्रकाश मालवीय, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस के0एन0 सिंह, जस्टिस वी0एन0 खरे, जस्टिस जे0एस0 वर्मा..... इत्यादि न जाने कितने महान व्यक्तित्व शामिल हैं। शहीद पद्मधर की कुर्बानी को समेटे इलाहाबाद विश्वविद्यालय सदैव से राष्ट्रवाद का केन्द्रबिन्दु बनकर समूचे भारत वर्ष को स्पंदित करता रहा है। देश का चौथा सबसे पुराना उच्च न्यायालय (1866) जो कि प्रारम्भ में आगरा में अवस्थित हुआ, के 1869 में इलाहाबाद स्थानान्तरित होने पर आगरा के तीन विख्यात एडवोकेट पं0 नन्दलाल नेहरू, पं0 अयोध्यानाथ और मुंशी हनुमान प्रसाद भी इलाहाबाद आये और विधिक व्यवसाय की नींव डाली।

मोतीलाल नेहरू इन्हीं प0 नंदलाल नेहरू जी के बड़े भाई थे। कानपुर में वकालत आरम्भ करने के बाद 1886 में मोती लाल नेहरू वकालत करने इलाहाबाद चले आए और तभी से इलाहाबाद और नेहरू परिवार का एक अटूट रिश्ता आरम्भ हुआ। इलाहाबाद उच्च न्यायालय से सर सुन्दरलाल, मदन मोहन मालवीय, तेज बहादुर सप्रू, डा0 सतीशचन्द्र बनर्जी, पी0डी0टंडन, डा0 कैलाश नाथ काटजू, पं0 कन्हैया लाल मिश्र आदि ने इतिहास में अपनी अमिट छाप छोड़ी। उत्तर प्रदेश विधानमण्डल का प्रथम सत्र समारोह इलाहाबाद के थार्नहिल मेमोरियल हॉल में (तब अवध व उ0 प्र0 प्रांत विधानपरिषद) 8 जनवरी 1887 को आयोजित किया गया था।

इलाहाबाद में ही अवस्थित अल्फ्रैड पार्क भी कई युगांतरकारी घटनाओं का गवाह रहा है। राजकुमार अल्फ्रेड ड्यूक ऑफ एडिनबरा के इलाहाबाद आगमन को यादगार बनाने हेतु इसका निर्माण किया गया था। पुनः इसका नामकरण आज़ाद की शहीदस्थली रूप में उनके नाम पर किया गया। इसी पार्क में अष्टकोणीय बैण्ड स्टैण्ड है, जहाँ अंग्रेजी सेना का बैण्ड बजाया जाता था। इस बैण्ड स्टैण्ड के इतालियन संगमरमर की बनी स्मारिका के नीचे पहले महारानी विक्टोरिया की भव्य मूर्ति थी, जिसे 1957 में हटा दिया गया। इसी पार्क में उत्तर प्रदेश की सबसे पुरानी और बड़ी जीवन्त गाथिक शैली में बनी 'पब्लिक लाइब्रेरी' (1864) भी है, जहाँ पर ब्रिटिश युग के महत्वपूर्ण संसदीय कागजात रखे हुए हैं। पार्क के अंदर ही 1931 में इलाहाबाद महापालिका द्वारा स्थापित संग्रहालय भी है। इस संग्रहालय को पं0 नेहरू ने 1948 में अपनी काफी वस्तुयें भेंट की थी।

इलाहाबाद की अपनी एक धार्मिक ऐतिहासिकता भी रही है। छठवें जैन तीर्थंकर भगवान पद्मप्रभु की जन्मस्थली कौशाम्बी रही है तो भक्ति आंदोलन के प्रमुख स्तम्भ रामानन्द का जन्म प्रयाग में हुआ। रामायण काल का चर्चित श्रृंगवेरपुर, जहाँ पर केवट ने राम के चरण धोये थे, यहीं पर है। यहाँ गंगातट पर श्रृंगी ऋषि का आश्रम व समाधि है। भारद्वाज मुनि का प्रसिद्ध आश्रम भी यहीं आनन्द भवन के पास है, जहाँ भगवान राम श्रृंगवेरपुर से चित्रकूट जाते समय मुनि से आशीर्वाद लेने आए थे। अलोपी देवी के मंदिर के रूप में प्रसिद्ध सिद्धिपीठ यहीं पर है तो सीता–समाहित स्थल के रूप में प्रसिद्ध सीतामढ़ी भी यहीं पर है।

गंगा तट पर अवस्थित दशाश्वमेध मंदिर जहाँ ब्रह्म ने सृष्टि का प्रथम अश्वमेध यज्ञ किया था, भी प्रयाग में ही अवस्थित है। धौम्य ऋषि ने अपने तीर्थयात्रा प्रसंग में वर्णन किया है कि प्रयाग में सभी तीर्थों, देवों और ऋषि–मुनियों का सदैव से निवास रहा है तथा सोम, वरूण व प्रजापति का जन्मस्थान भी प्रयाग ही है। संगम तट पर लगने वाले कुम्भ मेले के बिना प्रयाग का इतिहास अधूरा है। प्रत्येक बारह वर्ष में यहाँ पर 'महाकुम्भ मेले' का आयोजन होता है, जो कि अपने में एक 'लघु भारत' का दर्शन करने के समान है। इसके अलावा प्रत्येक वर्ष लगने वाले माघ–स्नान और कल्पवास का भी आध्यात्मिक महत्व है। महाभारत के अनुशासन पर्व के अनुसार माघ मास में तीन करोड़ दस हजार तीर्थ प्रयाग में एकत्र होते हैं और विधि–विधान से यहाँ ध्यान और कल्पवास करने से मनुष्य स्वर्गलोक का अधिकारी बनता है। पद्मपुराण के अनुसार प्रयाग में माघ मास के समय तीन दिन पर्यन्त संगम स्नान करने से प्राप्त फल पृथ्वी पर एक हजार अश्वमेध यज्ञ करने से भी नहीं प्राप्त होता– प्रयागे माघमासे तु त्र्यहं स्नानस्य यत्फलम्। नाश्वमेधसहेण तत्फलं लभते भुवि।।

कभी प्रयाग का एक विशिष्ट अंग रहे, पर वर्तमान में एक पृथक जनपद के रूप में अवस्थित कौशाम्बी का भी अपना एक अलग इतिहास है। विभिन्न कालों में धर्म, साहित्य, व्यापार और राजनीति का केंद्र बिन्दु रहे कौशाम्बी की स्थापना उद्यिन ने की थी। यहाँ पाँचवी सदी के बौद्धस्तूप और भिक्षुगृह हैं। वासवदत्ता के प्रेमी उद्यन की यह राजधानी थी। यहाँ की खुदाई से महाभारत काल की ऐतिहासिकता का भी पता लगता है। वाकई इलाहाबाद की ऐतिहासिकता अपने आप में अनूठी है। पर इलाहाबादी अमरूद के बिना यह वर्णन फीका ही लगेगा। तभी शायर अकबर इलाहाबादी ने कहा है–

'' कुछ इलाहाबाद में सामां नहीं बहबूद के
धरा क्या है सिवा अकबर–ओ–अमरूद के।''

अब दसवीं की परीक्षा दो अवसरों के साथ

सीबीएसई के नये पैटर्न के तहत पहली बार कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं एक ही सत्र में दो बार आयोजित की जाएंगी। आगामी फरवरी में 10वीं के छात्र अनिवार्य बोर्ड परीक्षा देंगे, इसके बाद यदि कोई छात्र चाहे तो मई में वह वैकल्पिक परीक्षा देकर अपने अंक सुधार सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस पैटर्न से छात्रों को हर तरह की राहत मिलेगी। हालांकि इसमें चुनौतियां भी कम नहीं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की अगले साल होने वाली 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं की तारीखें निश्चित हो गई हैं। इसके साथ ही पहली बार कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाएं एक ही शैक्षणिक सत्र में दो बार आयोजित की जाएंगी। यह बिलकुल नया पैटर्न होगा। साल 2026 में 10वीं और 12वीं की सीबीएसई बोर्ड परीक्षाएं 17 फरवरी से 6 मार्च 2026 तक आयोजित की जाएंगी। इसके बाद यानी इंप्रूवमेंट सत्र में 15 मई से 1 जून 2026 तक 10वीं परीक्षा एक बार और होगी। दोनों में से जिस परीक्षा में स्टूडेंट को अपने बेहतर अंक लगें, उसे अपनी मानक परीक्षा के रूप में अपने पास रख सकते हैं। यह बदलाव देश के परीक्षा पैटर्न में एक ऐतिहासिक मोड़ के रूप में आ रहा है। बहुत संभव है कि इसके बाद देश के ज्यादातर या सभी बोर्ड इस पैटर्न को अपना लें। आने वाले फरवरी माह में सीबीएसई के 10वीं के छात्र अनिवार्य बोर्ड परीक्षा देंगे, इसके बाद यदि कोई छात्र चाहे तो मई में वह वैकल्पिक परीक्षा सत्र में भी भाग लेकर अपनी अंक तालिका को बेहतर बना सकता है। हालांकि दूसरे सत्र में सुधार केवल तीन कोर सब्जेक्ट तक ही सीमित रहेगा। दोनों ही परीक्षाएं पूरे वर्ष के पाठ्यक्रम पर आधारित होंगी। हालांकि इंटरनल एसेसमेंट शैक्षणिक सत्र में सिर्फ एक बार ही होगा, न कि दो बार। विषय परिवर्तन भी नहीं होगा यानी पहली परीक्षा में छात्र जिन विषयों में इम्तिहान देंगे, उन्हीं विषयों को दूसरी परीक्षा के लिए भी चुनना होगा। नया नियम यह भी है कि दूसरी परीक्षा के लिए लिस्ट में नये नामों को नहीं जोड़ा जायेगा। यदि कोई छात्र पहली परीक्षा में पास नहीं हुआ, तो वह मई सत्र में कंपार्टमेंट परीक्षा भी दे सकेगा। अब के पहले तक यदि छात्र कम अंक प्राप्त करते हैं या फेल हो जाते हैं तो उन्हें कंपार्टमेंट परीक्षा देनी पड़ती थी, जो मेन परीक्षा से बहुत बाद में होती थी और कई छात्रों का एक साल बर्बाद हो जाता था। इसलिए यह नया पैटर्न उनके भी हित में होगा। अभी तक एक ही परीक्षा 'मेक या ब्रेक' वाली होती थी यानी यदि कोई छात्र किसी विषय में अच्छा प्रदर्शन न कर पाता तो उससे उसका पूरा परीक्षा परिणाम प्रभावित होता था।

कृष्ण कुमार यादव
भारतीय डाक सेवा
निदेशक डाक सेवाएं

'शक्ति सिर्फ शरीर से नहीं, छोटे–छोटे फैसलों से भी बनती है'

टिस्का चोपड़ा

आपके लिए 9 दिन, 9 अभिनेत्रियों की 9 कहानियां लेकर आएगा। हर दिन एक देवी को समर्पित होगा। आज नवरात्रि के दूसरे दिन माता ब्रह्माचारिणीरू अनुशासन और समर्पण का प्रतीक मानी जाती हैं। इस अवसर पर पढ़िए अभिनेत्री टिस्का चोपड़ा की कहानी, उन्हीं की जुबानी३ श्अभिनय जीवन लगातार धैर्य और प्रयास सिखाता है। जब सभी संकेत आपको आश्वस्त नहीं करते, तो खुद पर विश्वास बनाए रखना सीखना पड़ता है। यदि आप अपनी क्षमता पर भरोसा खो देंगे, तो धैर्य और लगातार प्रयास संभव नहीं। मैंने एक सुरक्षित नौकरी छोड़कर अपने अभिनय सपनों का पीछा किया। यह कदम आसान नहीं था। परिवार और समाज के दबाव, अनिश्चित भविष्य और ऐसी कई चीजों ने मुझे डराया। लेकिन मेरा जुनून और आत्मविश्वास मुझे आगे बढ़ाते रहे। धीरे–धीरे मेरे काम को पहचान मिलने लगी। यह अनुभव हर चुनौती में धैर्य और लगातार प्रयास का महत्व सिखाता है। बस एक आदत पर काबू पाना बड़ा संघर्ष है मुझे सामान्य तौर पर अनुशासन में कोई समस्या नहीं है, क्योंकि जो काम मैं करती हूं, वो मेरे लिए मजबूरी नहीं, बल्कि मेरा जुनून है। योग, वेट ट्रेनिंग, वॉकिंग, मंत्रों का जाप, पढ़ना–लिखना और अभिनय – ये सभी चीजें मैं पूरे मन से करती हूं। सच कहूं तो कभी–कभी मुझे इन्हें रोकने के लिए अनुशासन की जरूरत पड़ती है। हां, अपनी मिठाई की आदत पर काबू पाना मेरा बड़ा संघर्ष है। हर काम पूरी निष्ठा से पूरा करती हूं मैं खुद को सिख और बौद्ध ध्यान का मिश्रण मानती हूं। उदाहरण के तौर पर, शूटिंग के दौरान जब सेट पर हंगामा होता है और चारों तरफ तनाव और परेशानी होती है, तब मैं खुद को शांत रखती हूं और सिर्फ एक शॉट पर पूरा ध्यान देती हूं। उस ध्यान में मैं बाकी सब चीजों को भूल जाती हूं और अपने काम को पूरी निष्ठा और सही तरीके से पूरा करती हूं। यह फोकस और संयम मुझे न सिर्फ शूटिंग में बल्कि जीवन की अन्य चुनौतियों में भी स्थिर और मजबूत बनाए रखता है। हर दिन मंत्रों का जाप करती हूं मैं हर दिन योग और प्राणायाम करती हूं, मंत्रों का जाप करती हूं और नियमित लेखन के जरिए मानसिक शांति पाती हूं। पढ़ाई और आत्मचिंतन से यह समझ आता है कि हम इस ब्रह्मांड में कितने अद्भुत और साथ ही छोटे हैं। यही समझ मुझे जमीन पर बनाए रखती है और हर चुनौती का सामना करने की ताकत देती है। युवा महिलाओं के लिए संदेश दुनिया, समाज या खुद से अनुमति का इंतजार मत करें। छोटे कदम से शुरुआत करें, रोजाना एक आदत बनाएं और अपने आप से किया गया एक वादा पूरा करें। शक्ति केवल जिम में नहीं बनती, बल्कि रोजमर्रा के छोटे–छोटे फैसलों में बनती है। जैसे जब आप नहीं कहना चाहते तब श्नाश कहना या जब कोई देख नहीं रहा तब अपने लक्ष्य पर टिके रहना। हम सब प्रगति की प्रक्रिया में हैं – अच्छे और बुरे दिन आते हैं, लेकिन लगातार प्रयास करने वाला हमेशा जीतता है।' अभिनय जीवन में धैर्य और आत्मविश्वास की भूमिका टिस्का चोपड़ा का कहना है कि अभिनय ने उन्हें लगातार धैर्य और प्रयास की अहमियत सिखाई। उन्होंने कहा, जब सभी संकेत आपको आश्वस्त नहीं करते, तब खुद पर विश्वास बनाए रखना सीखना पड़ता है। यदि आप अपनी क्षमता पर भरोसा खो देंगे, तो धैर्य और लगातार प्रयास संभव नहीं। टिस्का ने अपने करियर की शुरुआत एक सुरक्षित नौकरी छोड़कर की। यह कदम उनके लिए आसान नहीं था। 'संगीत ही है जीवन की असली रोशनी', जानिए ध्वनि भानुशाली के जीवन को कहानी परिवार और समाज के दबाव, अनिश्चित भविष्य, और अन्य कई चुनौतियों ने उन्हें डराया। लेकिन उनका जुनून और आत्मविश्वास उन्हें आगे बढ़ाते रहे। धीरे–धीरे उनके काम को पहचान मिलने लगी। इस अनुभव ने उन्हें हर चुनौती में धैर्य, अनुशासन और लगातार प्रयास का महत्व सिखाया। छोटे संघर्ष भी बड़े सबक सिखाते हैं टिस्का ने खुलासा किया कि उनके लिए सबसे बड़ा व्यक्तिगत संघर्ष मिठाई की आदत पर काबू पाना रहा। उन्होंने कहा, मुझे सामान्य तौर पर अनुशासन में कोई समस्या नहीं है, क्योंकि जो काम मैं करती हूं, वह मेरे लिए मजबूरी नहीं, बल्कि मेरा जुनून है। योग, वेट ट्रेनिंग, वॉकिंग, मंत्रों का जाप, पढ़ाई और अभिनय मैं इन्हें पूरे मन से करती हूं। यह बताता है कि शक्ति केवल शारीरिक मेहनत से नहीं, बल्कि नियमित आदतों और मानसिक अनुशासन से भी बनती है। टिस्का ने कहा कि वे खुद को सिख और बौद्ध ध्यान का मिश्रण मानती हैं। उन्होंने बताया कि शूटिंग के दौरान सेट पर तनाव या हंगामा होने पर भी वे अपने शॉट पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करती हैं। उनका ध्यान बाकी सभी चीजों को पीछे छोड़ देता है और काम को पूरी निष्ठा और सही तरीके से पूरा करने की शक्ति देता है। यह फोकस और संयम मुझे न केवल शूटिंग में बल्कि जीवन की अन्य चुनौतियों में भी स्थिर और मजबूत बनाए रखता है, उन्होंने साझा किया। योग, प्राणायाम और मानसिक शांति टिस्का अपने रोजमर्रा के जीवन में योग, प्राणायाम और मंत्रों का जाप करती हैं। साथ ही नियमित लेखन के जरिए वे मानसिक शांति पाती हैं। पढ़ाई और आत्मचिंतन उन्हें यह समझने में मदद करता है कि हम इस ब्रह्मांड में कितने अद्भुत और साथ ही छोटे हैं। यही समझ उन्हें जमीन पर बनाए रखती है।

विजय–रश्मिका की शादी की बजेंगी शहनाई! वेडिंग की डेट का खुलासा हुआ, टीम ने दी जानकारी

साउथ सिनेमा से लेकर बॉलीवुड तक खुशियों का माहौल होगा। क्योंकि रश्मिका–विजय के फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। काफी लंबे समय से सुपरस्टार विजय देवरकोंडा और एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना को एक साथ स्पॉट किया गया है। लव वर्ड्स एक–दूसरे को डेट लंबे समय से करते आ रहे हैं। नेशनल क्रश रश्मिका मंदाना और टॉलीवुड के सबके चहते सुपरस्टार विजय देवरकोंडा एक–दूसरे के हो चुके हैं। दोनों ने सगाई कर ली है और अब इनकी शादी का इंतजार बेसब्री से फैंस कर रहे हैं। सबकों यही जानना है कि इस कपल की शादी कब है। हाल ही में विजय देवरकोंडी की टीम नें हिंदुस्तान टाइम्स को बताया है कि रश्मिका और विजय अगले साल यानी के फरवरी 2026 में शादी करने जा रहे हैं। हालांकि, अभी तक रश्मिका और विजय की तरफ से इप पर कोई भी आधिकारिक बयान या फिर पोस्ट सामने नहीं आया है। हालांकि, नजदीकी सूत्रों से पता चला है कि रश्मिका और विजय जल्द ही शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं।

इन दोनों की लव स्टोरी भी बड़ी कमाल की है। रश्मिका और विजय की दोस्ती और प्यार की खबरें साल 2018 से चर्चा में बनीं हुई है, ये दोनों पहली बार फिल्म गीता गोविंदम में साथ नजर आए थे। जिसके बाद 2019 में आई डियर कॉमरेड ने उनके रिश्ते को और खास बना दिया। अब कह सकते हैं कि ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री इन दोनों की धांसू रही है, ऑफ स्क्रीन पर कपल की बॉन्डिंग हमेशा चर्चा का विषय बना रहा है। बार–बार फैंस ने इस जोड़े को एक साथ ट्रैवल करते, इवेंट्स में स्पॉट होते और यहां तक कि वेकेशन की तस्वीरें एक जैसे लोकेशन से शेयर करते देखा। अक्सर सोशल मीडिया पर इन दोनों के रिलेशनशिप को लेकर काफी अफवाहें फैलती रहीं। लेकिन दोनों ने कभी इस पर जवाब नहीं दिया। दरअसल, साल 2024 के इंटरव्यू में कपल ने कहा कि वो सिंगल नहीं हैं, हालांकि, पार्टनर का नाम कभी उजागर नहीं किया। जब सगाई की खबरे सामने आईं तो यह साबित हो गया कि जिस रिश्ते को दोनों छुपाते रहे, वो अब शादी के मुकाम पर पहुंच चुका है। हाल में एयरपोर्ट पर दोनों को एक ही कार से निकलते हुए देखा गया था, जिसके बाद से अफवाहें और भी मजबूत हो गई। रश्मिका हाल ही में श्कुबेराश फिल्म नजर आईं। जल्द ही एक्ट्रेस दिवाली 2025 पर रिलीज होने वाली थामाश नाम की हॉरर–कॉमेडी में दिखाई देंगी। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना, नवाजुद्दीन सिद्दीकी और परेश रावल भी हैं। इसके अलावा, रश्मिका कॉकटेल 2, द गर्लफ्रेंड और मायसा जैसी फिल्मों में नजर आएंगी। वहीं, विजय देवरकोंडा की फिलहाल श्किंगडमश फिल्म रिलीज हुई है, जिसमें सत्यदेव और भाग्यश्री बोर्से भी नजर आईं है।

हुमा कुरैशी के कपड़े देख चकराया लोगों का दिमाग

एक्ट्रेस हुमा कुरैशी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेस हैं. उन्होंने अपनी एक्टिंग से तो फैंस का दिल जीता ही है. साथ ही उनका फैशन सेंस भी चर्चा में बना रहता है. हाल ही में उन्हें एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था. इस दौरान वो फंकी लुक में थी. लेकिन टीशर्ट की वजह से वो ट्रोल हो रही हैं. हुमा कुरैशी का एयरपोर्ट लुक हुमा को एयरपोर्ट पर ओवरसाइज टीशर्ट और डेनिम जींस में देखा गया. उन्होंने इस लुक को कैप, शूज और चश्मे के साथ कंप्लीट किया. लेकिन एक्ट्रेस की टीशर्ट देख फैंस का दिमाग चकरा गया. उन्होंने रिप्ड टशर्ट पहनी थी. पीछे से टीशर्ट पूरी तरह से फटी हुई थी. उनकी टीशर्ट देखने के बाद उन्हें ट्रोल कर रहे हैं. हुमा कुरैशी का एयरपोर्ट लुक देख लोगों का घूमा माथा, रिप्ड टीशर्ट देख बोले– इतना फटा तो पोछा भी नहीं होता हुमा कुरैशी का एयरपोर्ट लुक देख लोगों का घूमा माथा, रिप्ड टीशर्ट देख बोले– इतना फटा तो पोछा भी नहीं होता यूजर्स ने किए ऐसे कमेंट्स एक यूजर ने लिखा– पहले पता होता तो मैं अपने पुराने टीशर्ट फेंकता नहीं. वहीं दूसरे यूजर ने लिखा– हमारे यहां इतना फटा तो पोछा भी नहीं होता. वहीं एक यूजर ने लिखा– अमीर और सेलिब्रिटी जब ऐसे कपड़े पहनते हैं तो ये फैशन हो जाता है. ऐसे कपड़े हम भिखारी और गरीबों के पास देखते थे. अब इन्हें क्या बोलें. वर्क फ्रंट पर हुमा कुरैशी को इन दिनों फिल्म जॉली एलएलबी 3 में देखा जा रही है. फिल्म में वो अक्षय कुमार के अपोजिट रोल में हैं. फिल्म को काफी पसंद किया जा रहा है. बॉक्स ऑफिस पर फिल्म धमाल मचा रही हैं. इन फिल्मों में दिखीं हुमा कुरैशी इसके अलावा वो तरला, मोनिका ओ माय डार्लिंग, डबल एक्सएल, बेल बॉटम, व्हाइट, डेढ़ इश्किया, गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं. अब उनके हाथ में तीन फिल्में हैं. वो टॉक्सिकरू ए फेयरी चेल फॉर ग्रॉन अप्स में नजर आईं. ये इंग्लिश और कन्नड़ फिल्म है. फिल्म की शूटिंग चल रही है. इसके अलावा वो पूजा मेरी जान और गुलाबी में भी दिखेंगी. फिल्म अभी अनाउंस होनी बाकी हैं।

दिव्या भारती का होगा पुनर्जन्म

बॉलीवुड की दिवंगत एक्ट्रेस दिव्या भारती को लेकर हाल ही में उनकी सेकेंड कजिन और एक्ट्रेस कायनात अरोड़ा ने कई बातें शेयर कीं। कायनात ने दिव्या की मां मीता भारती को याद करते हुए कहा, "मीता मॉम ने मुझे बहुत सपोर्ट किया। जब मैं बॉम्बे आई, तो उन्होंने मुझे कहा कि कायनात, मेरी बेटी वापस आ गई है। मैंने पूछा ऐसा क्यों कह रहे हैं, तो उन्होंने बताया कि दिव्या की कुंडली में अल्पायु योग था।" कायनात ने बताया कि एक पंडित जी ने दिव्या की कुंडली देखकर यह कहा था कि 8दृ9 साल की उम्र में उनकी सुरक्षा के लिए पूजा पाठ शुरू करना जरूरी है। कुंडली के अनुसार 18 साल की उम्र के बाद कुछ खतरा हो सकता था। उन्होंने आगे कहा कि मीता मॉम ने लगातार पूजा पाठ करवाई। एक दिन, दो दिन, तीन दिन, एक महीना, दो महीने जो भी रिचुअल थे, उसके हिसाब से पूजा की गई। हालांकि, कुछ समय बाद पूजा रोक दी गई। फिर दिव्या ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा और मीता मॉम उनके साथ ट्रेवल करने लगीं। कायनात ने यह भी बताया कि दिव्या की मां ने उन्हें बताया था कि दिव्या की मौत के बाद उन्होंने भविष्यवाणी करने वाले पंडित जी को ढूंढा और उनसे कहा, "पंडित जी, आपने जो पहले भविष्यवाणी की थी, वह सच साबित हो गई।

जलकर काला हो गया है चाय का बर्तन, तो चमकाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

हर भारतीय नारी अपनी रसोई की हर एक चीज को शीशे के जैसे चमकाकर रखती है। लेकिन कभी–कभी उनकी लाख कोशिश के बाद भी वह चाय के कुछ जिद्दी व चिपचिपे बर्तनों को साफ करने में फेल हो जाती है। जिनका इस्तेमाल घर में कुछ ज्यादा ही होता है। क्योंकि चाय पीना तो हर किसी को पसंद है। दिन में न जाने कितनी बार घर में चाय बनती है। बार बार इसके प्रयोग से इसके नीचे का हिस्सा चलकर काला हो जाता है और इसके अंदर से अजीब सी गंदगी जमा हो जाती है जो लाख रगड़ने के बाद भी साफ नहीं होती। ऐसे में इन चिपचिपे बर्तनों को साफ करना एक चौलेंज बन जाता है। आप भी इस समस्या से परेशान है तो चिंता न करें। क्योंकि आज हम आपको चाय के बर्तनों को साफ करने के आसान से तरीके बताएंगे। जिनकी मदद से आप के बर्तन पहले जैसे चमक जाएगे। तो चलिए जानते है कुछ टिप्स के बारे में।

बेकिंग सोडा का इस्तेमाल

चाय के बर्तन के जिद्दी दाग साफ करने के लिए आप बेकिंग सोडे का इस्तेमाल कर सकते है। इसके लिए सबसे पहले चाय बनाने वाले बर्तन के चारों तरफ सोडा डालकर कम से कम 5 मिनट छोड़ दें। इसके बाद इसे साफ पानी से धो लें। इससे धाग तो जाएंगे ही साथ में बर्तनों के अंदर जो जमा गंदगी है वह भी दूर हो जाएगी।

बर्तन पर रगड़े नींबू

दिनभर चाय के बर्तनों के प्रयोग से उसका काला और सड़ जाना लाजमी है। ऐसे में उस बर्तन को साफ करने के लिए नींबू का सहारा लें। चाय के गंदे बर्तन पर नींबू को रगड़े। आप नींबू क दो टुकड़े कर के भी चाय के बर्तन में रगड़ सकते है। इससे बर्तन का कालापन जल्दी दूर होगा और बाद में साफ पानी से इसे साफ कर लें।

सिरके का करें इस्तेमाल

चाय के काले बर्तनों को साफ करने के लिए सिरका और बेकिंग सोडा बेस्ट है। इसके लिए सबसे पहले गंदे बर्तन में सिरका और बेकिंग सोडा को 15 मिनट के लिए उसमें डाल दें। इसके बाद लिक्विड डिशवॉशर सोप या साफ पानी से उसे धो लें।

नमक से करें साफ

नमक खाने के लिए नहीं किसी चीज के जिद्दी दाग को हटाने में भी कारगर है। इसके लिए चाय के जले बर्तन में 2 चम्मच नमक डालें और फिर पैन को पानी से भरकर लिक्विड डिशवॉशर सोप डालकर हल्का गर्म करें। अब एक घंटे इसे ऐसे ही छोड़ने के बाद चम्मच से घिस लें। फिर जूने की मदद से बर्तन को साफ करे। बाद में साफ पानी से इसे धो लें।

ओखली–मूसल में छिपा है स्वाद और सेहत का राज, इस्तेमाल के समय न करें ये गलतियां

आज भी कई भारतीय घरों में जब चाय बनाई जाती है तो अदरक व इलायची को कूटने के लिए ओखली आदि का इस्तेमाल किया जाता है। कई बार सब्जी में लहसुन, मसाला, अदरक व हरी मिर्च आदि डालने के लिए इसको भी ओखली से कूटते हैं। बता दें

कि वर्तमान में कई घरों में एल्युमीनियम, लोहे या फिर पत्थर की ओखली का इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि आजकल के लोगों को ओखली सही तरीके से उपयोग करना नहीं आता है। जिसके कारण वह मसाले को सही से पीस नहीं पाते हैं। इस आर्टिकल के जरिए आज हम आपको ओखली के सही इस्तेमाल के बारे में बताने जा रहे हैं। यह हैक्स आपके बहुत काम आएंगे।

ऐसे करें इस्तेमाल

अक्सर लोगों को ओखली इस्तेमाल करते समय यह समस्या होती है कि इसमें मसाले अच्छे से कूट नहीं पाते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा ही होता है तो बता दें आप मूसल का सही इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। मूसल को इस्तेमाल करने का एक तरीका होता है। इसका इस्तेमाल किसी हथौड़े की तरह नहीं बल्कि गोल–गोल घुमाकर ओखली में पड़े सामान को कूटा जाता है।

इस्तेमाल करें सूखी ओखली

वहीं ओखली में किसी चीज को कूटने के दौरान सबसे बड़ी गलती यह की जाती है की हम सूखी ओखली का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में मसाले अच्छे से पीस नहीं पाते। इसलिए आप ओखली में मसाला पीसने के लिए सबसे पहले उसमें चावल और नमक डालें। इसके बाद इसे अच्छे से दरदरा कूट लें। फिर ओखली में पानी डालकर 10 मिनट के लिए छोड़ दें। समय पूरा होने के बाद पानी को फेंक दें और चावल निकालकर उसमें मसाले आदि कूटें।

पत्थर की ओखली : कुछ लोग पत्थर की ओखली की जगह प्लास्टिक या मेटल की ओखली का इस्तेमाल करते हैं। बता दें कि प्लास्टिक या मेटल की ओखली में मसाले अच्छे से पिसते नहीं है। इसलिए आपको पत्थर की ओखली इस्तेमाल करनी चाहिए। पत्थर की ओखली का वजन ज्यादा होने के कारण इसमें मसाले महीने कुटते हैं। आप चाहें तो ब्लैक स्टोन वाली ओखली का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

ऐसे करें साफः पत्थर वाली ओखली की साफ–सफाई करने के लिए आप नींबू का इस्तेमाल कर सकती हैं। हालांकि नींबू से भी ज्यादा अच्छा ऑप्शन बेकिंग सोडा है। बता दें कि कई बार ओखली की सतह पर गंदगी की मोटी परत जम जाती है। इसलिए आप बेकिंग सोडा से इसको आसानी साफ कर सकती हैं। ओखली को साफ करने के लिए सबसे पहले पानी और बेकिंग सोडा का मिक्स कर लें। फिर इस घोल को ओखली में डालकर कुछ समय के लिए रख दें। इसके बाद आप इसे साफ कर सकते हैं।

प्रेग्नेंसी में दवा से कम नहीं म्युजिक मां के साथ बच्चे को भी मिलते हैं कई सारे हेल्थ बेनिफिट

म्यूजिक एक बेहतरीन मूड बूस्टर है। म्यूजिक की मधुर धुनों को सुनने से कुछ ही पलों में तनाव दूर हो जाता है। ये एक तरीके की थेरेपी भी है, जिसे पहले के जमाने में शारीरिक और मानसिक समस्याओं के इलाज के लिए इस्तेमाल किया जाता है। सिर्फ तनाव में ही नहीं ब्लकि हाल ही की कुछ स्टीडज में ये बात सामने आई है कि संगीत प्रेग्नेंसी में भी बड़े फायदे देता है। इससे दोनों में और अजन्मे बच्चे की सेहत को कई तरह के फायदे पहुंचते हैं।

प्रेग्नेंसी के दौरान गाने सुनना

प्रेग्नेंसी में संगीत के संपर्क में आने से नवजात बच्चे में समग्र मानसिक, संज्ञानात्मक, व्यवहारिक, संवेदी, मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक विकास में महत्वपूर्ण सुधार होते हैं। एक स्टडी में ये बात भी सामने आई है कि भारतीय शास्त्रीय संगीत और लाइट म्यूजिक प्रेग्नेंट महिला और उनके अजन्मे बच्चे की सजगत, प्रतिक्रियाओं, आंदोलन और मानसिक उत्तेजना में सुधार देखा, जबकि प्रेग्नेंट महिला में शांत और सकारात्मक प्रभाव प्रदान करता है।

पेट में बच्चा कब से म्यूजिक सुन सकता है

ये माना जाता है कि अजन्मे बच्चे दूसरी तिमाही में संगीत सुन सकते हैं। गर्भधारणा के नौ हफ्ते बाद बच्चे के कान का निर्माण शुरू हो जाता है और बच्चा बाहर की आवाजें सुन सकता है। एक प्रेग्नेंट महिला 25 से 26 सप्ताह प्रेग्नेंट होती हैं, तो आपका बच्चा बाहरी शोर और आवाज का जवाब देना शुरू कर सकता है। तीसरी तिमाही तक, आपका बच्चे आपकी आवाज से इतना परिचित होगा कि वह उसे तुरंत पहचान लेता है।

जानें प्रेग्नेंसी में म्यूजिक सुनने के फायदे

पर्सनालिटी डेवलपमेंट

ऐसा माना जाता है कि जब मां प्रेग्नेंसी के दौरान संगीत सुनती है तो वह आपके बच्चे के पर्सनालिटी को बनाने में मदद करता है, क्योंकि वह बड़ा तेज व्यक्ति बन सकता है। इस प्रकार, सुखदायक संगीत एक शांत और शांत आचरण को प्रोत्साहित कर सकता है, जबकि तेज संगीत आक्रमण लक्षणों को सामने ला सकता है।

तनाव होता है कम

तनाव को कम करने के लिए संगीत से बेहतर और कुछ नहीं है। ये आपके मन को भी हल्का करता है। यह बदले में, आपके बच्चे को और शांत और सुखी महसूस करवाता है। ये इस प्रकार प्रेग्नेंसी के दौरातन तनाव से निपटने का एक प्रभावी तरीका है।

श्रवण इंद्रियां बेहतर होती हैं

संगीत आपके बच्चे को लयबद्ध ध्वनि तरंगों सा लगता है। बच्चा इन पर ध्यान केंद्रति करता है और ये सजगता में सुधार करते हुए संज्ञानात्मक कौशल और श्रवण इंद्रियों को उत्तेजित करता है।

इस बात का रखें ध्यान

बता दें कि संगीत में एक विशेष लय होता है जिससे बच्चों को पहचानना और याद रखना आसान हो जाता है। यह माना जाता है कि बच्चे की सांस लेने से लेकर दिल की धड़कन की रफ्तार तक पर इससे फर्क पड़ता है । इसलिए, तेज या चिल्लाता हुआ सा संगीत आपके बच्चे के लिए उपयुक्त नहीं होगा और ये आपके स्ट्रेस और ब्लड प्रेशर को भी बढ़ा सकता है।

स्किन को ग्लोइंग बनाने के लिए महिलाएं क्या कुछ नहीं करती। कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स, घरेलू नुस्खे त्वचा पर इस्तेमाल करके उसे ग्लोइंग बनाना चाहती हैं परंतु इन सभी चीजों का इस्तेमाल करके भी स्किन में वैसा निखार नहीं आ पाता जैसा चाहिए होता है। आज आपको एक ऐसी चीज बताएंगे जो आपकी कई तरह की स्किन प्रॉब्लम्स दूर कर सकते हैं। एप्पल साइड विनेगर आपकी स्किन को ग्लोइंग बनाने में मदद करेगा। तो चलिए आज आपको बताते हैं इसे स्किन पर इस्तेमाल करने के फायदे...

एंटी–एजिंग स्पोट्स होंगे दूर

कई शोधों में यह साबित हुआ है कि एप्पल साइड विनेगर में पाया जाने वाला अल्फा हाइड्रॉक्सी एसिड त्वचा के दाग–धब्बे दूर करने में मदद करता है। दाग–धब्बों पर आप इसका इस्तेमाल करके समस्या से छुटकारा पा सकते हैं। कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट्स की जगह चेहरे पर आप इनका इस्तेमाल कर सकते हैं।

झूर्रियां होगी दूर

सेब का सिरका आपकी त्वचा को टाइट करने में मदद करता है। इसके अलावा चेहरे पर मौजूद झुर्रियों को दूर करने के लिए भी आप चेहरे पर इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। यह त्वचा को हाइड्रेट करने में मदद करता है और बढ़ती उम्र में त्वचा पर होने वाली सैगिंग को भी ठीक करता है।

स्किन को ग्लोइंग बनाएगा एप्पल साइड विनेगर, कई और स्किन प्रॉब्लम्स भी होगी दूर

एक्ने और पिंप्लस से मिलेगा छुटकारा

स्किन का पीएच लेवल मेंटेन करने के अलावा एप्पल साइड विनेगर एक्ने दूर करने में भी मदद करता है। यह पिंपल्स के लिए एक टोनर की तरह कार्य करता है यह मुहांसों में मौजूद ज्यादा ऑयल, हटाकर स्किन को कोमल बनाता है। पिंप्लस को दूर करने के लिए इस घरेलू नुस्खे को इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्किन को करे डिटॉक्स

एप्पल साइड विनेगर में पाया जाने वाला एंटीबैक्टीरियल प्रॉप्ट्रीज पाई जाती है जो आपकी त्वचा को साफ करके क्लींज करने और त्वचा में मौजूद टॉक्सिन्स को निकालने में मदद करते हैं। इसका इस्तेमाल करने से आपकी स्किन रिफ्रेश और साफ रहेगी।

चेहरे की सूजन होगी दूर

सेब का सिरका आपकी त्वचा से सूजन हटाने में भी मदद । इसमें मौजूद एंटीइंफ्लेमेटरी तत्व सूजन और जले जैसी समस्याओं से राहत दिलवाती हैं। इसके अलावा किसी भी तरह के इंफेक्शन के कारण होने वाली जलन दूर करने में भी यह मदद करता है।

कैसे करें इसका इस्तेमाल?

दाग धब्बे, एंटी एजिंग लक्षण और डॉर्क स्पॉट्स दूर करने के लिए आप कॉटन पर एप्पल साइड विनेगर लगाएं। इसके बाद इसे सीधा चेहरे के निशानों पर लगाएं। इसके अलावा स्किन पर आप इसका टोनर के तौर पर भी इस्तेमाल कर सकते हैं। टोनर बनाने के लिए सेब के सिरके में 50: पानी मिलाएं। चेहरे पर अच्छे से लगाने के बाद कॉटन बॉल का इस्तेमाल करें। जब ये सूख जाए तो चेहरा धो लें।

इस बात का भी रखें ध्यान

चेहरे पर सेब का सिरका लगाने से पहले पैच टेस्ट जरुर कर लें।

. मुंहासों को कम करने के लिए सेब का सिरके का यदि आप इस्तेमाल कर रहे हैं तो एक्सपर्ट की सलाह जरुर ले लें खासकर अगर आप पहले से ही त्वचा पर कोई दवाई लगा रहे है तो।

. कोशिश करें कि हफ्ते में 2–3 बार से ज्यादा एप्पल साइड विनेगर का इस्तेमाल न करें। ज्यादा इस्तेमाल से स्किन ड्राई हो सकती है।

एप्पल साइड विनेगर एक नैचुरल चीज हो जो आपकी स्किन की कई समस्याएं दूर कर सकता है।

चेहरे पर ग्लो लाने के लिए महंगे प्रोडक्ट नहीं अपनी डेली रूटीन में शामिल करें ये योग

योग करने से न केवल आप शरीर को फिट रख सकते है बल्कि बढ़ती उम्र मे भी अपनी स्किन को ग्लोइंग बना सकते है। अगर तेज धूप व प्रदूषण के कारण आपके चेहरे का निखार कहीं गायब हो गया है तो आप अपनी डेली रूटीन में योग को शामिल कर सकते है। तो चलिए जानते है नियमित योगासन से आपके चेहरे पर कैसे आएगा निखार।

हलासन

हलासन को करने के लिए सबसे पहले एक चटाई को जमीन पर बिछा लें। इसके बाद पीठ के बल लेट कर हथेलियों को बगल में फर्श पर रख दें। फिर दोनों पैरों को 90 डिग्री ऊपर की ओर उठाएं। इसे करते समय पेट की मांसपेशियों का प्रयोग करें। इसी के चलते दोनों हथेलियों को जमीन पर टिका दें। अब पैरो को सिर के पीछे ले जाए।

सर्वांगासन

सबसे पहले एक चटाई को जमीन पर बिछा लें। फिर पीठ के बल लेट जाएं और दोनों हाथों को बगल में जमीन पर रखने की कोशिश करें। इसके बाद अराम से अपने दोनों पैरों को उठाते हुए आसमान की ओर ले जाएं। इसे करने समय धीरे से अपनी श्रोणि को भी ऊपर की ओर ले जाए। अब अपने पूरे जोर के साथ हथेलियों को जमीन पर रखें। इस प्रकिया में थोड़ी देर रहे और पैरों की तरह आंखें केंद्रित रखें।

शवासन

एक चटाई को जमीन पर बिछाकर इस आसन को करें। इसे करने के लिए पीठ के बल लेटें और दोनों पैरों के बीच कम से कम एक फीट की दूरी रखें। वहीं कमर और हाथों के बीच करीब 6 इंच की हो। ध्यान रहे हथेलियां खुली रखें। फिर पैरों के पंजे की तरफ शरीर को ढीला छोड़ते जाए। इसी तरह पूरे शरीर को ढीला छोड़ दें और आराम से सांस लें। बता दें कि आपको इस प्रक्रिया को 10 मिनट तक करें और बाद में पुनरू वाली अवस्था में आ जाए।

शीर्षासन

सबसे पहले सिर को चटाई पर फिर हथेलियों को चटाई पर रखें। अपनी बाहों को 90 डिग्री मोड़ें और कोहनी सीधे कलाई के ऊपर रखें। इसके बाद घुटनों को ऊपर उठाते हुए दोनों पैरों को अपनी हथेलियों की ओर बढ़ाएं। इस बात का ख्याल रखे कि पहले दाहिने पैर को ऊपर उठाएं और फिर बाएं पैर को भी ऊपर उठा लें। पैर की उंगलियों को छत की ओर इंगित करते हुए इस पोजीशन में 20–30 सेकंड रुके रहें।

संक्षिप्त

सेबी ने आईपीओ राशि में हेराफेरी के लिए सिनॉप्टिक्स टेक, उसके प्रवर्तकों पर लगाया प्रतिबंध

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने सिनॉप्टिक्स टेक्नोलॉजीज और उसके प्रवर्तकों पर आईपीओ की राशि में कथित हेराफेरी के मामले में जांच पूरी होने तक प्रतिभूति बाजार में कारोबार करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। कंपनी के प्रवर्तक जतिन शाह, जगमोहन मणिलाल शाह और जानवी जतिन शाह को भी सेबी ने प्रतिबंधित कर दिया है। सेबी के पूर्णकालिक सदस्य कमलेश सी वार्ष्णेय ने आदेश में कहा, ''मैं... छह मई, 2025 के अंतरिम आदेश के माध्यम से जारी निर्देशों को बरकरार रखता हूं।'' इस वर्ष मई में सेबी ने एक अंतरिम आदेश पारित किया था और आईपीओ की आय की हेराफेरी के आरोपों के बाद सिनॉप्टिक्स टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (एसटीएल) और उसके प्रवर्तकों को प्रतिभूति बाजार से प्रतिबंधित कर दिया था। अंतरिम आदेश में सेबी ने कहा, जांच से पता चला है कि कंपनी (एसटीएल) और प्रमुख प्रबंधक एफओसीएल (फर्स्ट ओवरसीज कैपिटल लिमिटेड) ने आईपीओ से जुटाई गई धनराशि को हड़पने की एक सुनियोजित योजना बनाई थी। जांच में यह पाया गया कि कंपनी ने 'निर्गम प्रबंधन शुल्क, बिक्री कमीशन, रजिस्ट्रार शुल्क' सहित अन्य आईपीओ संबंधित खर्चों के नाम पर लगभग 19 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए, जो कि कंपनी के दस्तावेजों में बताए गए 80 लाख रुपये से बहुत अधिक हैं। यह राशि सिनॉप्टिक्स द्वारा आईपीओ के जरिए जुटाई गई कुल राशि का करीब 54 प्रतिशत है। आदेश के अनुसार, यह राशि 35.08 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों के नए निर्गम के माध्यम से सिनॉप्टिक्स द्वारा जुटाई गई कुल आय का 54 प्रतिशत से अधिक और कुल निर्गम आकार (54.04 करोड़ रुपये) का 35 प्रतिशत है। सेबी ने एफओसीएल को निर्देश दिया कि वह नियामक के अगले निर्देश तक प्रतिभूति बाजार में मर्चेंट बैंकिंग गतिविधियों से संबंधित कोई भी नया कार्य न करे। यह अंतरिम आदेश सेबी द्वारा आईपीओ बंद होने के बाद बोली प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली शिकायतें प्राप्त होने पर मामले की जांच के बाद आया।

चीन से सोलर सेल के आयात पर डंपिंग–रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश

वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई डीजीटीआर ने चीन से आयात होने वाले सोलर सेल पर तीन साल के लिए डंपिंग–रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। इसका उद्देश्य घरेलू उद्योगों को सस्ते आयात से बचाना है। व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने अपने अंतिम निष्कर्ष में कहा कि सोलर सेल, चाहे मॉड्यूल में असेम्बल हों या पैनलों से निर्मित हों, भारत में सामान्य मूल्य से कम कीमत पर आयात किए गए हैं, जिससे

डंपिंग हुई है। डीजीटीआर ने एक अधिसूचना में कहा कि सोलर सेल के आयात पर तीन साल के लिए डंपिंग–रोधी शुल्क लगाने की अनुशंसा की जाती है। यह शुल्क माल के सीआईएफ मूल्य (लागत, बीमा, ढुलाई) के प्रतिशत के रूप में लगेगा। कुछ चीनी कंपनियों के लिए डंपिंग–रोधी शुल्क 23 प्रतिशत और कुछ के लिए 30 प्रतिशत सीआईएफ मूल्य के हिसाब से लगाने की सिफारिश की गई है। हालांकि इस बारे में अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय ही लेगा। इसके साथ ही डीजीटीआर ने चिली एवं चीन से आयातित वर्जिन मल्टी–लेयर पेपरबोर्ड... तुर्की, रूस, अमेरिका एवं ईरान से सोडा ऐश और वियतनाम से कैल्शियम कार्बोनेट फिलर मास्टरबैच के आयात पर भी शुल्क लगाने की सिफारिश की है। भारत ने पहले भी कई उत्पादों पर चीन सहित अन्य देशों से सस्ते आयातों को रोकने के लिए यह शुल्क लगाया है।

आरबीआई ने भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना बरकरार रखी: रिपोर्ट

क्रिसिल इंटेलिजेंस की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भविष्य में ब्याज दरों में कटौती की संभावना बरकरार रखी है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने मुद्रास्फीति के अपने पूर्वानुमान में भारी कटौती की है। केंद्रीय बैंक ने एक अक्टूबर को शुल्क अनिश्चितताओं का हवाला देते हुए अपनी नीतिगत ब्याज दर को लगातार दूसरी बार 5.5 प्रतिशत पर स्थिर रखा था। रिपोर्ट में कहा गया कि एमपीसी ने स्वीकार किया है कि अमेरिकी शुल्क के प्रभाव के कारण चालू वित्त वर्ष (2025–26) की दूसरी छमाही में जीडीपी वृद्धि में गिरावट का जोखिम रहेगा। क्रिसिल इंटेलिजेंस ने कहा कि जीएसटी दरों में हालिया कमी से वृद्धि पर शुल्क का समग्र प्रभाव आंशिक रूप से कम हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया, कुछ श्रम–प्रधान क्षेत्र अमेरिकी शुल्क के प्रभाव से सबसे अधिक संवेदनशील हैं और उन्हें नीतिगत समर्थन की आवश्यकता है। चालू वित्त वर्ष में मुद्रास्फीति कम चिंता का विषय होने के साथ, अगर अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती करता है, तो आरबीआई के लिए भी ऐसा करने की गुंजाइश बनेगी। आरबीआई ने फरवरी 2025 से नीतिगत दर में एक प्रतिशत की कटौती की है।

अब वनडे की भी कमान संभालेंगे गिल, रोहित की जगह बने कप्तान; कोहली टीम में शामिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए वनडे और टी20 टीम का एलान कर दिया है। रोहित शर्मा की जगह शुभमन गिल को भारतीय वनडे टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि श्रेयस अय्यर वनडे में टीम के उपकप्तान होंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 अक्तूबर से वनडे सीरीज खेली जाएगी। अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति ने शनिवार को टीम की कप्तानी पर बड़ा निर्णय लिया है। रोहित शर्मा अब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर सिर्फ पूर्णकालिक बल्लेबाज के तौर पर खेलेंगे। वहीं, स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को भी इस दौरे के लिए टीम में चुना गया है।

ऑस्ट्रेलिया दौरे का कार्यक्रम

भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्तूबर से पहले वनडे के साथ शुरू होगा। सीरीज के अगले दो मुकाबले 23 और 25 अक्तूबर को खेला जाएंगे। इसके बाद 29 अक्तूबर से आठ नवंबर तक पांच मौचों की टी20 सीरीज होगी।

टेस्ट के बाद अब वनडे टीम की करेंगे अगुआई

रोहित और कोहली ने भारत के लिए आखिरी मुकाबला चौंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में खेला था। ये दोनों खिलाड़ी टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ वनडे में ही खेलते हैं। हालांकि, टीम अब रोहित के बजाए गिल की कप्तानी में खेलने उतरेगी। मालूम हो कि रोहित के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद गिल को ही लाल गेंद के प्रारूप की कप्तानी सौंपी गई थी।

रोहित की कप्तानी में भारत ने जीता था चौंपियंस ट्रॉफी

रोहित का वनडे कप्तान के तौर पर रिकॉर्ड शानदार रहा है। उनकी कप्तानी में ही टीम ने इस साल न्यूजीलैंड को हराकर चौंपियंस ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया था। रोहित की अगुआई में टीम ने 2023 वनडे विश्व कप में लगातार 10 मैच जीते थे और फाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि टीम को खिताबी मैच में ऑस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा था जिस कारण टीम इस टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम करने से चूक गई थी।

विराट की वापसी, श्रेयस का प्रमोशन

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए जो टीम चुनी गई है उसमें कोहली को भी शामिल किया गया है। कोहली मार्च में चौंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद पहली बार भारत के लिए खेलते दिखेंगे। रोहित और कोहली के फैंस उन्हें एक बार फिर भारतीय जर्सी में देखने के लिए उत्साहित होंगे। वहीं, श्रेयस अय्यर का प्रमोशन हुआ है और उन्हें वनडे टीम का उपकप्तान बनाया गया है। श्रेयस वनडे टीम के अहम खिलाड़ी हैं और अब वह लीडरशीप की भूमिका में भी नजर आएंगे।

गिल को क्यों सौंपी गई कप्तानी?

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए गिल को कप्तानी सौंपे जाने के फैसले से रोहित के प्रशंसक काफी हैरान हैं। हालांकि, मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर ने टीम की घोषणा होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की और बताया कि गिल को किस कारण कप्तानी सौंपी गई।

ऋषभ पंत के नाम ये 5 रिकॉर्ड, इस मामले में हैं दुनिया के इकलौते विकेटकीपर

टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत आज, 4 अक्टूबर अपना 28वां जन्मदिन मना रहे हैं। उत्तराखंड के रुड़की में जन्में ऋषभ पंत 154 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। पंत मैदान में अपनी मस्ती भरे अंदाज और अपनी बल्लेबाजी से विपक्षी गेंदबाजों के फीते खोलने के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने अभी तक के करियर में कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं जिनमें से 5 अद्भुत रिकॉर्ड के बारे में यहां जानें।

एक टेस्ट में सबसे ज्यादा कैच

टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत एक टेस्ट मैच में संयुक्त रुप से सबसे ज्यादा कैच लेने वाले विकेटकीपर हैं। उन्होंने 2018 में एडिलेड टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कुल 11 कैच लिए थे। उन्होंने पहली पारी में 6 जबकि दूसरी पारी में पांच कैच लपके।

ऋषभ पंत टेस्ट में सिक्सर किंग

ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय प्लेयर हैं। वह अब तक 47वें टेस्ट मैचों में 90 छक्के लगा चुके हैं। वहीं, भारत के पूर्व विस्फोटक ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने भी 90 छक्के लगाए हैं। हालांकि, सहवाग ने 103 टेस्ट में ऐसा किया।

बतौर विकेटकीपर सबसे ज्यादा शिकार

वहीं इंटरनेशनल क्रिकेट में विकेट के पीछे रहते हुए पंत ने सबसे ज्यादा शिकार किए हैं। इस कड़ी में वह विकेट के पीछे सबसे ज्यादा शिकार करने के मामले में तीसरे भारतीय विकेटकीपर हैं। अभी तक उन्होंने 154 इंटरनेशनल मैचों में 244 शिकार किए हैं। इसमें 217 कैच और 27 स्टंपिंग हैं। उनसे आगे दिनेश मोंगिया (261) और एमएस धोनी (823) हैं।

एमएस धोनी को पछाड़ा

ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले विकेटकीपर हैं। उन्होंने अब तक अपने करियर में 8 शतक जड़े हैं। उन्होंने इंग्लैंड दौरे पर एमएस धोनी का रिकॉर्ड तोड़ा।

इस मामले में इकलौते कीपर

ऋषभ पंत घर के बाहर किसी एक देश में 1000 टेस्ट रन बनाने वाले इकलौते विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। उन्होंने ये कमाल इंग्लैंड में किया है। पंत ने ये आंकड़ा इंग्लैंड दौरे पर चार टेस्ट मैचों में 479 रन बनाने के दौरान छुआ। उन्होंने दौरे पर दो शतकीय जबकि तीन अर्धशतकीय पारियां खेली। वह चोटिल होने के कारण पांचवें और अंतिम टेस्ट में नहीं खेले थे।

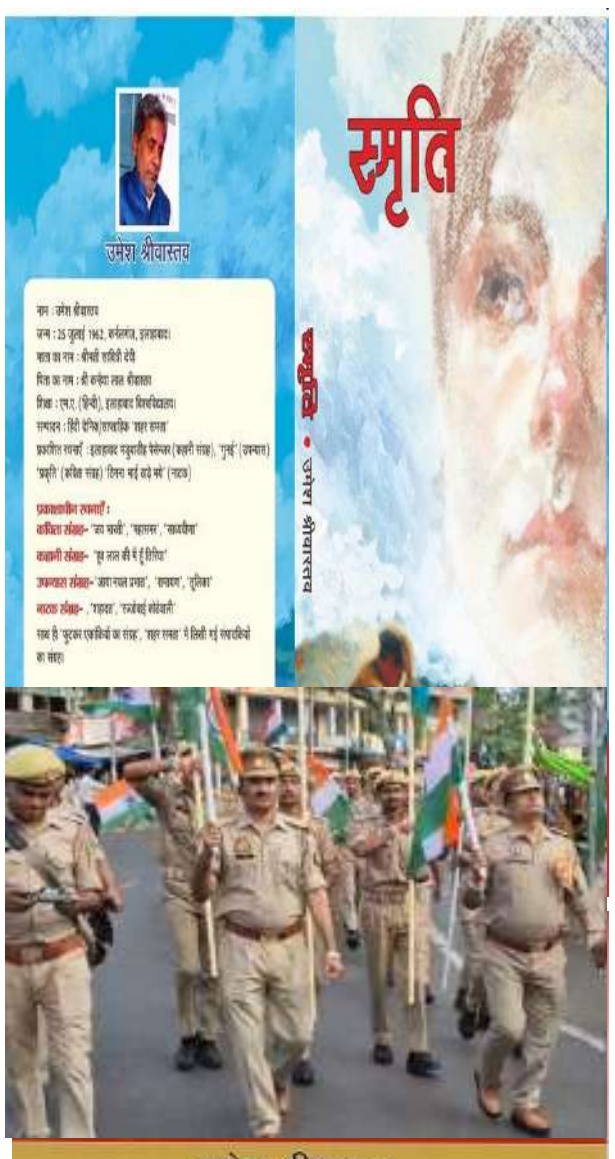

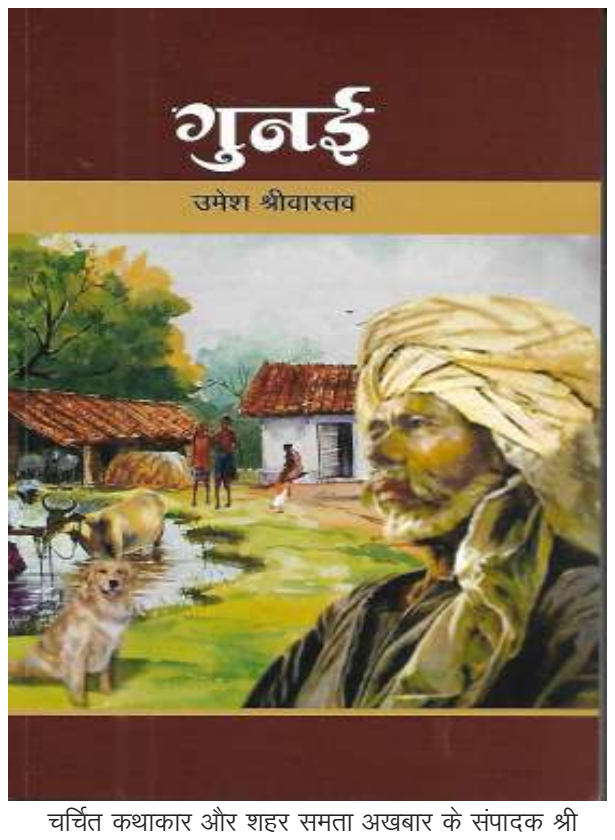

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

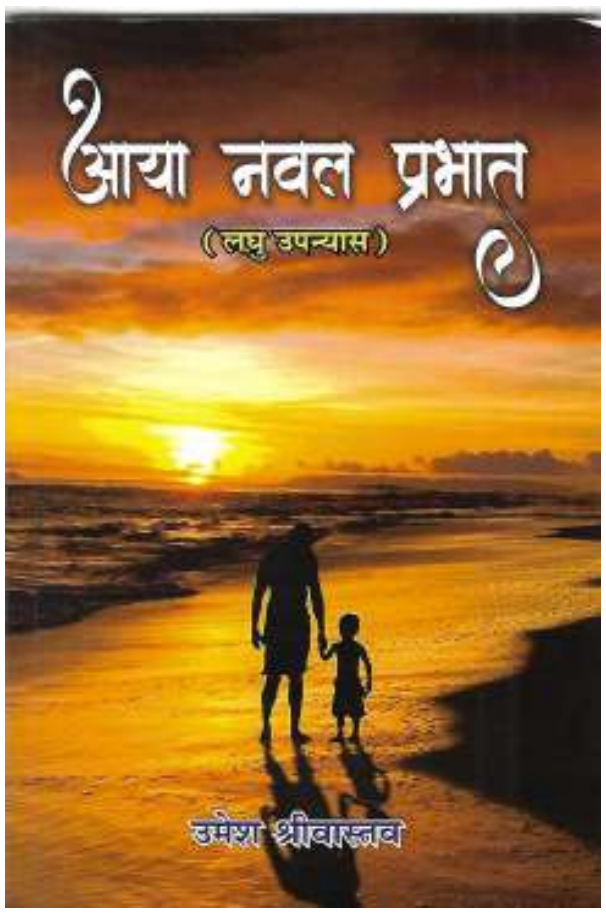

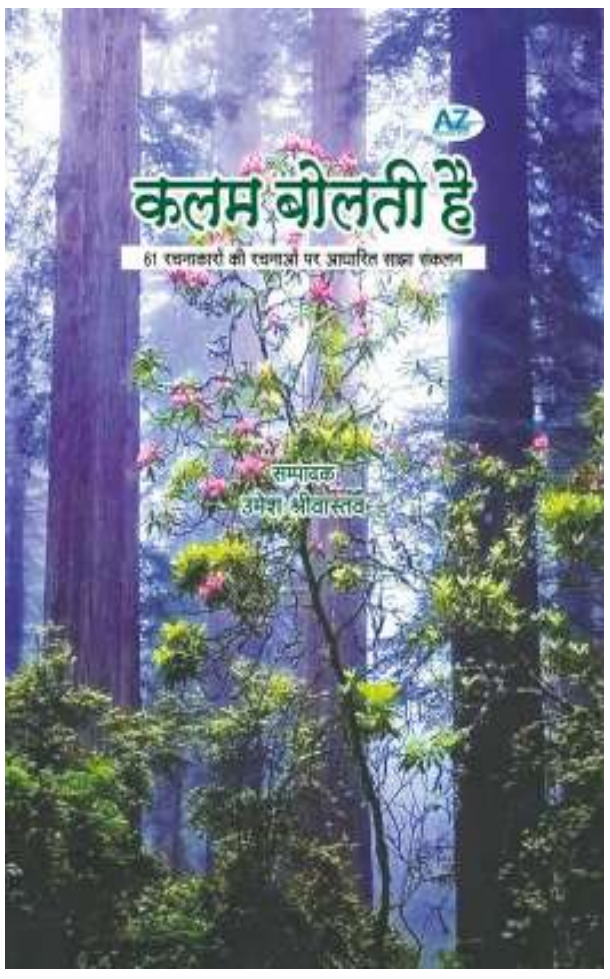

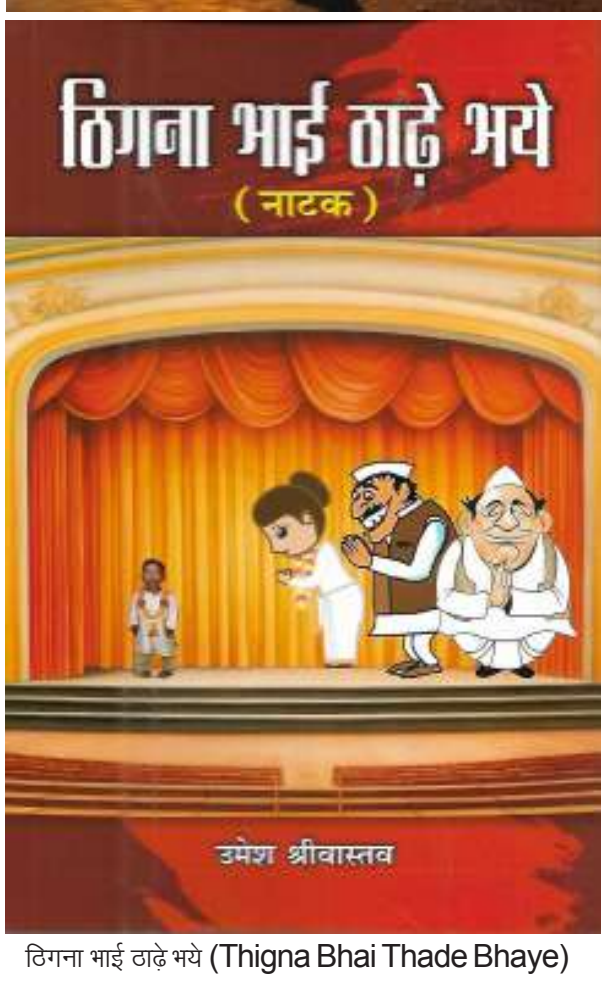

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय मूल के लोगों ने अमेरिकी विश्वविद्यालयों को तीन अरब डॉलर से अधिक का दान दिया

भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों ने 2008 से अब तक अमेरिका के विश्वविद्यालयों को तीन अरब डॉलर से अधिक का दान दिया है। एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई। यह अध्ययन अमेरिका में अनुसंधान, नवाचार और उच्च शिक्षा तक पहुंच को मजबूत करने की दिशा में प्रवासी समुदाय के योगदान के प्रभावों को रेखांकित करता है। एक नये अध्ययन में अग्रणी गैर–लाभकारी संगठन इंडियास्पोरा ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारतीय–अमेरिकी, जिनमें से कई अमेरिकी विश्वविद्यालयों में अपने स्नातक और स्नातकोत्तर अनुभवों को अपनी व्यावसायिक सफलता का आधार मानते हैं, परिवर्तनकारी तरीकों से योगदान दे रहे हैं। इंडियास्पोरा ने कहा, '' देश भर के उच्च शिक्षा संस्थानों को ऐतिहासिक दान देकर, भारतीय–अमेरिकी समुदाय न केवल उन संस्थानों का सम्मान कर रहा है जिन्होंने उनके जीवन को आकार दिया, बल्कि यह भी सुनिश्चित कर रहा है कि भावी पीढ़ियों को सीखने, नवाचार और नेतृत्व विकास के समान अवसर प्राप्त हों।

इंडोनेशिया में स्कूल इमारत ढहने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हुई

इंडोनेशिया में एक स्कूल की इमारत ढहने की घटना में मलबे से कई और शव बरामद होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 14 हो गई है। कई छात्र अब भी लापता हैं और मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। बचावकर्मी सोमवार को इमारत ढहने के बाद से बचाव कार्यों में जुटे हुए हैं। बृहस्पतिवार को किसी के जीवित होने का संकेत नहीं मिलने के बाद मलबा हटाने के लिए

भारी मशीनरी का इस्तेमाल किया गया। शुक्रवार शाम को बचावकर्मियों को नौ शव मिले, जिसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 14 हो गई। लगभग 50 छात्र लापता हैं। इंडोनेशिया के जावा प्रायद्वीप के सिदोअर्जो में स्थित एक सदी पुराने 'कोजिनी इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल' के प्रार्थना कक्ष का ढांचा ढह गया था। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आपदा नियंत्रण एजेंसी के प्रमुख सुहार्यंतो के अनुसार, शुक्रवार को दो शव प्रार्थना कक्ष के पास पाए गए जबकि एक शव निकास द्वार के पास मिला। सुहार्यंतो ने संवाददाताओं को बताया कि शनिवार रात तक बचाव कार्य पूरा हो जाने की उम्मीद है।

सीन 'डिडी' कॉम्ब्स को यौन व्यभिचार को बढ़ावा देने और हिंसा के जुर्म में चार साल की जेल

अमेरिका रैपर सीन डिडी कॉम्ब्स को यौन व्यभियार को बढ़ावा देने के जुर्म में शुक्रवार को चार साल और दो महीने की जेल की सजा सुनाई गई। कॉम्ब्स पहले ही एक साल जेल की सजा काट चुका है इसलिए उसे अब तीन वर्ष और जेल में बिताने होंगे। अभियोजकों ने कॉम्ब्स को 11 साल से अधिक की सजा दिए जाने का अनुरोध किया था जबकि उसके वकील ने अपने मुवक्किल की तत्काल रिहाई का अनुरोध करते हुए कहा कि सलाखों के पीछे बिताए गए वक्त में उसे अपनी गलती का अहसास हुआ है। कॉम्ब्स को अपनी महिला मित्रों और पुरुष यौनकर्मियों को देश भर में कई जगहों पर ले जाने और मादक पदार्थों

के सेवन एवं यौन व्यभिचार को बढ़ावा देने का जुलाई में दोषी पाया गया था। हालांकि उसे यौन तस्करी और गिरोह चलाने के आरोपों से बरी कर दिया गया था जिनके तहत उसे आजीवन कारावास की सजा हो सकती थी। अमेरिकी जिला न्यायाधीश अरुण सुब्रमण्यन ने सजा सुनाते हुए प्रश्न किया, ''इसमें इतना वक्त क्यों लगा? इसलिए कि तुम्हारे पास इसे जारी रखने की शक्ति और संसाधन थे और क्योंकि तुम पकड़े नहीं गए थे।'' सुब्रमण्यन ने कॉम्ब्स पर अधिकतम अनुमत 500,000 अमेरिकी डॉलर का जुर्माना भी लगाया और मुकदमे में गवाही देने वाले अभियुक्तों की प्रशंसा की। न्यायाधीश ने कहा, ''उन्होंने उन अनगिनत लोगों की आवाज उठाई जिन्होंने दुर्व्यवहार झेला। आपने उन्हें आवाज दी। आप ताकत के सामने खड़े हुए।'' अदालत कक्ष में मौजूद कॉम्ब्स को जब सजा सुनाई जा रही थी वह सामने देख रहा था और बाद में भी वह शांत और उदास दिखा। उसने अदालत कक्ष से बाहर निकलने से ठीक पहले अपने परिवार से कहा,''मुझे माफ करना, मुझे माफ करना।'' वहीं कॉम्ब्स के वकीलों ने कहा कि वे सजा के खिलाफ अपील करेंगे।

हमास ने युद्ध रोकने संबंधी ट्रंप की योजना के कुछ बिंदुओं पर सहमति जताई

गाजा में युद्ध खत्म कराने संबंधी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना के कुछ बिंदुओं को हमास ने स्वीकार कर लिया है, जिसके बाद ट्रंप ने इजराइल को बमबारी तुरंत रोकने का आदेश दिया है। हमास ने कहा है कि वह बंधकों को रिहा करेगा और सत्ता अन्य फलस्तीनियों को सौंपेगा, हालांकि योजना के दूसरे बिंदुओं पर फलस्तीनियों के बीच विस्तृत चर्चा होगी।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

ट्रंप संग शहबाज–मुनीर की बैठक के बाद पाकिस्तान का बड़ा दांव, अरब सागर में बंदरगाह बनाने का दिया प्रस्ताव

पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर के सलाहकारों ने अरब सागर में एक बंदरगाह के विकास और संचालन के प्रस्ताव के साथ अमेरिकी अधिकारियों से संपर्क किया है। फाइनेंशियल टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस योजना में अमेरिकी निवेशकों द्वारा पासनी शहर में पाकिस्तान के महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुँचने के लिए एक टर्मिनल का निर्माण और संचालन शामिल है। पासनी, बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर ज़िले में स्थित एक बंदरगाह शहर है, जिसकी सीमा अफ़ग़ानिस्तान और ईरान से लगती है। यह प्रस्ताव सितंबर में व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ

असीम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की बैठक के बाद आया है, जहाँ शरीफ ने कृषि, प्रौद्योगिकी, खनन और ऊर्जा में अमेरिकी निवेश की माँग की थी। सूत्रों ने अखबार को बताया कि यह प्रस्ताव कुछ अमेरिकी अधिकारियों को बताया गया और ट्रंप के साथ बातचीत से पहले मुनीर के सामने प्रस्तुत किया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस योजना में बंदरगाह का उपयोग अमेरिकी सैन्य उद्देश्यों के लिए करने की संभावना को खारिज किया गया है तथा इसके स्थान पर टर्मिनल को पश्चिमी पाकिस्तान के खनिज समृद्ध प्रांतों से जोड़ने वाले रेल गलियारे के लिए विकास वित्तपोषण की बात कही गई है। ट्रम्प द्वारा पाकिस्तान को गले लगाना, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन द्वारा अफगानिस्तान में दो दशक के अमेरिकी युद्ध के दौरान तालिबान के साथ इस्लामाबाद के संबंधों से चिंतित होकर, देश को दूरी बनाए रखने के बाद एक बदलाव का संकेत है। एएफपी की रिपोर्ट के अनुसार, भारत और पाकिस्तान के बीच मई में हुए संघर्ष से कुछ समय पहले, ट्रम्प परिवार द्वारा संचालित एक कंपनी ने क्रिप्टोकरेंसी पर इस्लामाबाद के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। पिछले महीने ट्रम्प ने व्हाइट हाउस में शहबाज शरीफ और असीम मुनीर से मुलाकात की थी, जहां उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद–रोधी सहयोग और अन्य मुद्दों पर चर्चा की थी। प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान के अनुसार, छह वर्षों में व्हाइट हाउस का दौरा करने वाले पहले पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज ने ट्रंप को दुनिया भर में संघर्षों को समाप्त करने के उनके ईमानदार प्रयासों के लिए शांति पुरुष बताया और पाकिस्तान तथा भारत के बीच युद्ध विराम कराने में उनके साहसी और निर्णायक नेतृत्व की सराहना की।

30 साल बाद भारत में कदम रखेगा पाकिस्तान का सबसे बड़ा दुश्मन, दुनिया में मचा हड़कंप!

करीब 30 साल बाद भारत में एक ऐसा शख्त कदम रखने वाला है जो कभी तो पाकिस्तान का दोस्त हुआ करता था। लेकिन अब पाकिस्तान को बर्बाद करने की कसम खा चुका है। पाकिस्तान ने पूरी कोशिश की कि ये शख्स भारत न आ पाए। लेकिन भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से इस शख्स को हिंदुस्तान बुलाने की ताकत ले आया। पहली बार तालिबान का एक बड़ा नेता भारत में कदम रखेगा और वो भी ऐसे समय जब अमेरिका और पाकिस्तान मिलकर अफगानिस्तान पर हमले का प्लान बना रहे हैं। जिस समय डोनाल्ड ट्रंप आसिम मुनीर और शहबाज शरीफ को अमेरिका बुला रहे हैं। उसी समय आसिम मुनीर शहबाज शरीफ और पाकिस्तान का सबसे बड़ा दुश्मन आमिर खान मुत्ताकी भारत में कदम रख रहा है। आमिर खान मुत्ताकी अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के विदेश मंत्री है। जो 9 अक्टूबर को भारत आएंगे। भारत आकर मुत्ताकी विदेश मंत्री एस जयशंकर और एनएसए अजित डोभाल से मिलेंगे। तालिबान के सबसे

बड़े नेता का एनएसए अजित डोभाल से मिलना पाकिस्तान की कुंडली के लिए अच्छा नहीं है। मुत्ताकी 9 अक्टूबर से 16 अक्टूबर तक भारत में रहेंगे। सोचिए इतने लंबे समय तक भारत में क्या क्या प्लानिंग होगी। अफगानिस्तान के अंतरिम विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी की संभावित भारत यात्रा को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि मुत्ताकी को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की ओर से 9–16 अक्टूबर के बीच दिल्ली आने के लिए इजाजत मिल गई है। हालांकि इस यात्रा के बारे में उन्होंने और कोई जानकारी नहीं दी। भारत ने अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है, तो मुत्ताकी को किस तरह का प्रोटेकॉल दिया जाएगा, इस पर उन्होंने कछ नहीं कहा, लेकिन दूसरे सवाल के जवाब में जायसवाल ने कहा कि श्मुत्ताकी अफगानिस्तान के विदेश मंत्री हैं। जायसवाल ने मई में विदेश मंत्री एस जयशंकर और मुत्ताकी के बीच टेलीफोन कॉल का जिक्र करते हुए दोनों देशों के बीच बढ़ते इंगेजमेंट पर रोशनी डाली। बता दें कि मुत्ताकी पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद बाहर यात्रा करने को लेकर बैन लगाया है, जिसे भारत यात्रा के लिए हटाया गया है। करीब 30 साल बाद भारत इस तरह से तालिबान के संपर्क में होगा। मुत्ताकी को अगस्त में ही भारत आना था। लेकिन पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से मुत्ताकी की शिकायत कर दी थी। जिसके बाद आमिर खान मुत्ताकी को अपनी यात्रा टालनी पड़ गई। लेकिन बाद में भारत उसी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद से मुत्ताकी को भारत लाने की इजाजत ले आया।

इजरायली बंधकों को रिहा करेगा हमास, पीएम मोदी ने ट्रंप के शांति प्रयासों का किया स्वागत

गाजा में शांति प्रयासों में महत्वपूर्ण प्रगति के बीच भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन संकेतों की सराहना की कि हमास इज़राइली बंधकों को रिहा करने के लिए तैयार है। यह टिप्पणी हमास की उस महत्वपूर्ण घोषणा के बाद आई है जिसमें शुक्रवार को खुलासा किया गया था कि वह ट्रंप द्वारा प्रस्तावित एक रूपरेखा के तहत सभी इज़राइली बंधकों को रिहा करने पर सहमत हो गया है। हमास के बयान ने लंबे समय से चल रहे संघर्ष में एक बड़ी घटना को चिह्नित किया। समूह ने कहा कि वह ट्रम्प की प्रस्तावित शांति योजना के तहत सभी इज़राइली बंधकों को, चाहे वे जीवित हों या मृत, रिहा कर देगा। हालाँकि, हमास ने यह भी कहा कि हालाँकि उसने प्रस्ताव के कुछ हिस्सों को स्वीकार कर लिया है, लेकिन अन्य पहलुओं पर अभी और बातचीत की आवश्यकता है। अपने बयान में, हमास ने योजना के विवरणों को सुलझाने के लिए मध्यस्थों के माध्यम से तुरंत बातचीत शुरू करने की इच्छा व्यक्त की। हमास ने गाजा के शासन में बदलाव के लिए अपने खुलेपन का संकेत दिया, एक संक्रमणकालीन शासन संरचना के हिस्से के रूप में फ़िलिस्तीनी ष्स्वतंत्र टेक्नोक्रेट्सष के एक निकाय को अधिकार हस्तांतरित करने की इच्छा व्यक्त की। हमास ने शांति प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में राष्ट्रपति ट्रंप की भूमिका और अरब, इस्लामी और अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों से मिले समर्थन के लिए उनका सार्वजनिक रूप से आभार व्यक्त किया। जवाब में, ट्रंप ने इज़राइल से गाजा में अपने बमबारी अभियान को रोकने का आग्रह किया और इस बात पर ज़ोर दिया कि शांति तभी संभव है जब हमास बातचीत के लिए तैयार हो और युद्धविराम भी हो। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किया कि हमास द्वारा अभी जारी किए गए बयान के आधार पर, मेरा मानना घ्है कि वे स्थायी शांति के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे कहा इज़राइल को गाजा पर बमबारी तुरंत रोकनी चाहिए, ताकि हम बंधकों को सुरक्षित और जल्दी से बाहर निकाल सकें! अभी ऐसा करना बहुत खतरनाक है। इससे पहले, ट्रंप ने हमास के लिए अपनी शांति योजना को स्वीकार करने के लिए रविवार शाम तक की समयसीमा तय की थी और चेतावनी दी थी कि अगर आतंकी समूह इसका पालन नहीं करता है तो ष्सब कुछ तहस–नहस हो जाएगाष। ट्रंप द्वारा हमास के लिए शत्रुता समाप्त करने का आखिरी मौका बताई गई इस योजना में एक 20–सूत्रीय प्रस्ताव शामिल है जो गाजा के भविष्य के शासन की रूपरेखा प्रस्तुत करता है।

रेयर अर्थ एलिमेंट्स के इस मजबूत 'खिलाड़ी' से भारत ने कर ली कौन सी डील, चीन-अमेरिका के उड़ेंगे होश!

भारत और ब्राजील ने ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा की योजनाबद्ध यात्रा से पहले शुक्रवार को द्विपक्षीय रणनीतिक वार्ता के हिस्से के रूप में रक्षा और सुरक्षा, ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने रणनीतिक वार्ता के लिए नई दिल्ली में ब्राज़ील के राष्ट्रपति के विशेष सलाहकार सेल्सो लुइस नून्स अमोरिम से मुलाकात की। अमोरिम के साथ वरिष्ठ अधिकारियों और सलाहकारों का एक प्रतिनिधिमंडल भी था। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस वार्ता से दोनों पक्षों को जुलाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्राज़ील यात्रा के दौरान सहयोग के पाँच स्तंभों के अंतर्गत चिन्हित मुद्दों पर आगे बढ़ने का अवसर मिला। डोभाल और अमोरिम ने रक्षा एवं सुरक्षा, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, स्वास्थ्य एवं फार्मास्यूटिकल्स जैसे विविध क्षेत्रों में द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी के तहत प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने ब्रिक्स, भारत–ब्राज़ील–दक्षिण अफ्रीका (आईबीएसए) और नवंबर में ब्राज़ील द्वारा आयोजित होने वाले आगामी कॉप–30 जैसे बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग पर भी चर्चा की। अमोरिम ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से भी मुलाकात की, जिन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि उनके बीच ष्वर्तमान वैश्विक परिदृश्य और हमारे रणनीतिक सहयोग को गहरा करने के अवसरों पर उपयोगी चर्चा हुई।

केयर स्टार्मर की मुंबई यात्रा से पहले भारत, ब्रिटेन के साथ क्वांटम कंप्यूटिंग और जैव प्रौद्योगिकी पर समझौता

क्वांटम कंप्यूटिंग और जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग करके जलवायु परिवर्तन के हिसाब से फसलें उगाने में किसानों की मदद करने के लिए इंपीरियल कॉलेज लंदन और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे के बीच एक समझौता हुआ है। यह समझौता अगले सप्ताह ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केयर स्टार्मर की मुंबई यात्रा से पहले हुआ है। यह परियोजना 'भारत–यूके टेक्नोलॉजी सिक्योरिटी इनिशिएटिव' (टीएसआई) का हिस्सा है, जो क्वांटम तकनीक पर आधारित है। इसका उद्देश्य मृदा सूक्ष्मजीवों

को बेहतर बनाना और सूखे व जलवायु परिवर्तन से प्रभावित क्षेत्रों में फसलों की रक्षा के नए तरीके खोजना है। पिछले वर्ष हस्ताक्षरित 'भारत–यूके टीएसआई' मंगलवार को मुंबई में शुरू हो रहे ग्लोबल फिनटेक फेस्ट (जीएफएफ) 2025 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शामिल होने पर एजेंडे में सबसे ऊपर होगा। इंपीरियल कॉलेज लंदन के अध्यक्ष प्रोफेसर ह्यूग ब्रैडी, मुंबई जाने वाले प्रधानमंत्री के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में शामिल होंगे। इंपीरियल कॉलेज के डॉ. पो–हेंग (हेनरी) ली और आईआईटी बॉम्बे के डॉ. इंद्रजीत चक्रवर्ती के नेतृत्व वाली एक टीम पहले से ही मिट्टी में पौधों और बैक्टीरिया के बीच जटिल अंतःक्रियाओं का मॉडल बनाने के लिए क्वांटम कंप्यूटिंग का इस्तेमाल कर रही है। डॉ. ली ने कहा, इस साझेदारी ने सूक्ष्मजीव पारिस्थिति की और जीनोमिक्स में आईआईटी बॉम्बे की विशेषज्ञता को जैव सूचना विज्ञान एवं क्वांटम कंप्यूटिंग सिमुलेशन में इंपीरियल कॉलेज की क्षमताओं के साथ जोड़दिया है। उन्होंने कहा, यह परियोजना वैश्विक खाद्य सुरक्षा और जलवायु से जुड़ीं तात्कालिक चुनौतियों का समाधान करने के लिए क्वांटम प्रौद्योगिकियों का मार्ग प्रशस्त करती है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो

शरद कुमार श्रीवास्तव

7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

गाजा में खत्म होगी जंग, आएगी शांति, लागू होने जा रहा ट्रंप प्लान का पहला चरण

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने घोषणा की है कि इज़राइल, गाजा में चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की योजना के पहले चरण को लागू करने की तैयारी कर रहा है। नेतन्याहू के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में इज़राइल ने योजना की शर्तों के अनुसार युद्धविराम और बंधकों की रिहाई के लिए वाशिंगटन के साथ पूर्ण सहयोग करने का संकल्प लिया। इस सप्ताह की शुरुआत में शुरू की गई ट्रम्प की इस पहल का उद्देश्य 7 अक्टूबर, 2023 को इज़राइल पर हमास के हमले से शुरू हुए लगभग दो वर्षों के संघर्ष को रोकना है। इस योजना में तत्काल युद्धविराम, सभी शेष बंधकों की रिहाई और गाजा से इज़राइली सेना की चरणबद्ध वापसी का आह्वान किया गया है।

संस्थापक

स्व.कन्हैया लाल

स्व.श्रीमती साधना

सम्पादक

उमेश चंद्र श्रीवास्तव

प्रबन्ध सम्पादक

अरविन्द पाण्डेय

संयुक्त सम्पादक

अनंत श्रीवास्तव

संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)

केशव श्रीवास्तव

विधि सलाहकार

कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक

उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.

यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।